www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 अब और बढ़ी वायु सैन्य शक्ति की महत्ता, अंतरिक्ष मोर्चे पर भी भारत की जीत

दावा-हसीना ने प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आदेश दिया था 06

वर्ष :17 | अंक :99 | प्रयागराज , गुरूवार , 10 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

### शिमला, कुल्लू और नाहन की जिला अदालतों में बम की धमकी, परिसर को कराया गया खाली

हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और नाहन की जिला अदालतों को बुधवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एहतियात के तौर पर सुरक्षाकर्मियों ने तीनों ज़िलों के अदालत परिसरों को तुरंत खाली करा लिया। परिसर और आस-पास के इलाकों की गहन जाँच के लिए सभी जगहों पर विशेष बम निरोधक इकाइयाँ और डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए थे। पुलिस ने पुष्टि की है कि किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अभी विस्तृत तलाशी जारी है। उन्होंने बताया कि अभी तक जाँच के दौरान कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। शिमला के एसपी संजीव कुमार गांधी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि बुधवार को शिमला और रामपुर समेत कई जगहों पर अदालत परिसरों को उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले हैं। उन्होंने बताया कि एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं और डीएसपी स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमें मौके पर मौजूद हैं। पुलिस ने बताया कि धमकी के बाद तुरंत अदालत परिसर खाली करा दिया गया और जनता व अदालत कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई।

# 'महाराष्ट्र की तरह बिहार में वोटों की चोरी होने नहीं देंगे', पटना में बंद के दौरान गरजे राहुल-तेजस्वी

## वोटर वेरिफिक्केशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद:7 शहरों में ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम

**गरजे राहुल-तेजस्वी**

राहुल ने आगे कहा कि हमने इसपर ज्यादा कुछ बोला नहीं, लेकिन हमने डाटा देखना शुरू किया तो हमें पता लगा कि लोकसभा और विधानसभा में 1 करोड़ नए वोटर शामिल हुए। मतलब विधानसभा में 10% ज्यादा वोटरों ने वोट किया।

एजेंसी

पटना: मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण और ट्रेड यूनियन की हड़ताल के समर्थन में आज बिहार बंद रहा. इस दौरान महागठबंधन की एकजुटता दिखी. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में तमाम घटकों दलों के नेता सड़क पर उतरे. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, वीआईपी चीफ मुकेश सहनी, सीपीआई माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और सीपीआई नेता डी. राजा समेत राज्य स्तर के तमाम बड़े चेहरे पटना की सड़क पर मार्च करते नजर आए. सड़क पर दिखी महागठबंधन की एकजुटता: पटना के इनकम टैक्स गोलंबर पर जब राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पहुंचे तो कार्यकताओं में काफी जोश देखा गया. वोटर पुनरीक्षण को लेकर सभी कार्यकर्ता एक सुर में नारेबाजी कर रहे थे. कई कार्यकर्ता सड़क पर ही बैठे नजर आए. अपनी-अपनी की पार्टी का झंडा लिए ये कार्यकर्ता बड़े ही जोश के साथ बिहार बंद को सफल बनाते दिखे. तमाम नेता वीर चंद पटेल रोड से होते हुए आर ब्लॉक और विधानसभा की तरफ निकले. 'बिहार में वोट की चोरी होने नहीं देंगे': इसी रास्ते में बीजेपी और जेडीयू का प्रदेश कार्यालय है. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव आर ब्लॉक से होते हुए विधानसभा सप्तमूर्ति से आगे इलेक्शन कमीशन के दफ्तर तक गए. उसके बाद लॉरी पर बने मंच से ही लोगों को संबोधित किया. इस दौरान राहुल ने कहा कि महाराष्ट्र की तर्ज पर बिहार में भी बीजेपी वोट की चोरी करना चाहती है.

**चुनाव आयोग पर भड़के राहुल गांधी**

राहुल गांधी ने कहा कि पटना की जमीन से मैं यह स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं कि चुनाव आयोग को जो करना है, कर लें लेकिन बाद में आप पर भी कानून लागू होगा. उन्होंने कहा कि आप जितने भी बड़े पद पर बैठे हों लेकिन कानून आपको भी नहीं छोड़ेगा. कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आयोग का काम भारतीय जनता पार्टी के लिए काम करना नहीं है. देश के संविधान की रक्षा करना आपका काम है, जो आप ठीक से नहीं कर रहे हैं.

**भाजपा की, नीतीश जी की, चुनाव आयोग की दादागिरी नहीं चलेगी**

**बिहार से लेकर केरल तक दिखा बंद का असर, कहीं हुआ चक्का जाम तो कहीं रूकी ट्रेनें**

नेशनल ट्रेड यूनियनों ने देशव्यापी हड़ताल का आान किया है, जिसका असर बुधवार को पश्चिम बंगाल, बिहार, और केरल जैसे कई राज्यों में देखा गया। केरल में सड़कों पर चक्का जाम करने की कोशिश की गई, वहीं कई राज्यों में बैंकिंग सेवाएं भी प्रभावित हुईं। खबरों के अनुसार, इस हड़ताल में लगभग 25 करोड़ कर्मचारी शामिल हैं। हड़ताल का मुख्य कारण सरकार द्वारा लागू किए गए नए श्रम कानून हैं। देश की 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया है। राहुल और तेजस्वी के विरोध मार्च पर पुलिस ने लगाई रोक राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में शुरू हुआ विरोध मार्च, जो इनकम टैक्स चौराहे से प्रारंभ होकर वीरचंद पटेल पथ और शहीद स्मारक के रास्ते चुनाव आयोग के कार्यालय तक जाना था, को विधानसभा के पास पुलिस ने रोक दिया। नेता तेजस्वी यादव ने कहा, आज पूरे बिहार में बंद है। चुनाव आयोग ने अपनी साख पूरी तरह गंवा दी है। मतदाता सूची से गरीबों के नाम हटाने की साजिश रची जा रही है। पहले वोटर लिस्ट से नाम हटेंगे, फिर पेंशन और राशन जैसी सुविधाएं छीनी जाएंगी। इसीलिए महागठबंधन ने ह्यबिहार बंदह्ल का आान किया है।

**क्या बोले तेजस्वी?**

वहीं, आरजेडी लीडर और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने भारतीय जनता पार्टी पर लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है लेकिन चुनाव आयोग की मदद से बिहार से ही लोकतंत्र को समाप्त करने का प्रयास हो रहा है लेकिन वे लोग ऐसा होने नहीं देंगे.

# प्रधानमंत्री मोदी को मिला नामीबिया का सर्वोच्च सम्मान

**राष्ट्रपति नेटुम्बो नेंडी-नदैतवा के साथ वार्ता में बोले पीएम अत्यंत गौरव और सम्मान की बात**

एजेंसी

विंडहोक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस से सम्मानित किया गया है। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने बुधवार को यहां श्री मोदी के साथ वार्ता के बाद उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। डॉ. नेटुम्बो ने पुरस्कार प्रदान करने से पहले कहा, नामीबियाई संविधान द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति के द्वारा मुझे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शियेंट वेल्विट्चिया मिराबिलिस प्रदान करने का सम्मान प्राप्त हुआ है, जिन्होंने नामीबिया और विश्व स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास तथा शांति और न्याय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 1990 में नामीबिया की स्वतंत्रता के तुरंत बाद 1995 में पुरस्कार की स्थापनाइस पुरस्कार की स्थापना 1990 में नामीबिया की स्वतंत्रता के तुरंत बाद 1995 में की गयी थी। यह सम्मान विशिष्ट सेवा और नेतृत्व के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार का नाम नामीबिया में पाए जाने वाले एक अनोखे और प्राचीन रेगिस्तानी पौधे वेल्विट्शिया मिराबिलिस के नाम पर रखा गया है। यह पुरस्कार नामीबियाई लोगों के लचीलेपन, दीघार्यु और स्थायी भावना का प्रतीक है।

> पीएम मोदी ने सम्मानित किये जाने के बाद कहा, वेल्विट्स्चिया मिराबिलिस से सम्मानित होना मेरे लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। मैं राष्ट्रपति, नामीबिया सरकार और नामीबिया की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ।

### मौसम विभाग ने बंगाल के कुछ जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में भारी बारिश का पूवार्नुमान जताया है, जबकि अन्य स्थानों पर कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि बुधवार को दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में कुछ स्थानों पर बिजली कड़कने के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। दक्षिण बंगाल के पश्चिम बर्धवान, झाड़ग्राम, पुरुलिया और बांकुड़ा जिलों तथा उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग जिलों में बृहस्पतिवार सुबह तक भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने कोलकाता में आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहने औरहल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि गंगा बंगाल क्षेत्र पर बना कम दबाव का क्षेत्र फिलहाल कायम है और अगले दो दिनों में इसके झारखंड और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने की संभावना है। बीरभूम जिले के श्रीनिकेतन में बीते 24 घंटे में सबसे अधिक 95 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

### हमने आठ साल में लगाए 204 करोड़ पौधे, 5 लाख एकड़ में हुआ वनाच्छादन : योगी आदित्यनाथ

**हीटवेव को ग्रीनवेव में बदलने का हमने किया है काम : सीएम योगी**

एजेंसी

अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को रामपुर हलवारा में सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बरगद, नीम और पीपल के पौधे रोपकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। अयोध्या की पवित्र भूमि पर आयोजित एक जनसभा में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस अभियान की महत्ता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। इस दौरान 204 करोड़ पौधों का रोपण किया गया, जिनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में 5 लाख एकड़ क्षेत्र में वनाच्छादन बढ़ा है। सीएम योगी ने कहा कि हमने हीटवेव को ग्रीनवेव में बदला है। यह प्रयास न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ों में भी जीवन है ।

- छाया, फल, मृदा संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं पेड़ : मुख्यमंत्री
- एक सच्चा पुत्र वही, जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है : सीएम योगी
- पौधरोपण महा अभियान वर्तमान को संवारने और भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प : योगी आदित्यनाथ

# गुजरात में पुल टूटा, चलती गाड़ियां नदी में गिरीं 13 लोगों की मौत, 8 को बचाया

**दक्षिण गुजरात का सौराष्ट्र से संपर्क टूटा**

एजेंसी

वडोदरा, गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। दो लोग लापता हैं। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है। पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

> सीएम ने सुबह ही एक उच्च समिति को घटनास्थल पर भेजा और उन्होंने जल्द से जल्द रिपोर्ट मांगी है। इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए सीएम ने सड़क एवं भवन विभाग की एक टीम और अन्य टीमों को वहां जाकर ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

**लोगों ने कहा, हादसे के लिए प्रशासन जिम्मेदार**

हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, 'हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 13 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है। इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है।' इनका कहना है कि 45 साल पुराने इस पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार सूचित किया जा चुका है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण आज यह हादसा हुआ है।

### 13 अगस्त तक बढ़ी तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत

एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत 13 अगस्त तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश तब पारित किया जब राणा को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश किया गया। अदालत ने पिछले महीने उसकी न्यायिक हिरासत 9 जुलाई तक बढ़ा दी थी।

# राजस्थान के चूरू में दुर्घटनाग्रस्त हुआ वायु सेना का लड़ाकू विमान

**दोनों पायलट ने गंवाई जान, जांच के आदेश**

घटना के बाद, राजलदेसर पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई। हताहतों या क्षति के बारे में और अधिक जानकारी का इंतजार है क्योंकि अधिकारी अपनी प्रारंभिक जाँच शुरू कर रहे हैं। दुर्घटना स्थल से घना धुआं उठता देखा गया तथा दृश्यों में विमान पूरी तरह जला हुआ दिखाई दे रहा है।

एजेंसी

राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र के भानुदा गाँव के पास मंगलवार को भारतीय वायु सेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलट का निधन हो गया है। घटना के बाद, राजलदेसर पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई। दुर्घटना स्थल से घना धुआं उठता देखा गया तथा दृश्यों में विमान पूरी तरह जला हुआ दिखाई दे रहा है ।वायुसेना ने एक बयान में कहा कि भारतीय वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षक विमान आज राजस्थान के चुरू के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दोनों पायलटों को गंभीर चोटें आईं। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचा है। भारतीय वायुसेना इस दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है।

# कानूनी राय देने वाले वकीलों को जांच एजेंसियों ने किया तलब, सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

> प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुछवरिष्ठ वकीलों को तलब किए जाने की पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करने का निर्णय लिया है.

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों द्वारा मामलों में राय देने या पक्षकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को तलब करने के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक मामला शुरू किया है. कोर्ट यह जांच करेगा कि क्या उन्हें नोटिस दिया जा सकता है.इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस बी आर गवई की अध्यक्षता वाली जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ करेगी.

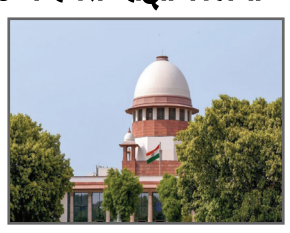

दौरा | बोले- की जाएगी हर संभव मदद

# जेपी नड्डा ने मंडी के आपदा प्रभावित इलाकों का किया दौरा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंडी ज़िले के थुनाग में बादल फटने और भारी बारिश से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और इलाकों का दौरा किया। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग 51 स्थानों पर प्राकृतिक आपदाओं के कारण गंभीर त्रासदी हुई है, जान-माल का नुकसान हुआ है। मैं अपनी और पार्टी की ओर से गहरा दुःख व्यक्त करना चाहता हूँ। इससे हिमाचल के लोगों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहाँ राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं। नड्डा ने आगे कहा कि राहत कार्यों की शुरूआत सबसे पहले भाजपा कार्यकताओं ने की। राज्य भर से लोगों ने राहत सामग्री भेजी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार राहत प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। हम पहले भी किसी भी आवश्यक वित्तीय सहायता के लिए दृढ़ रहे हैं और भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में राहत कार्यों के लिए 2,006 करोड़ रुपये जारी किए हैं। मंडी ज़िला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है जहाँ बारिश से संबंधित 17 मौतें हुई हैं और बुनियादी ढाँचे को व्यापक नुकसान पहुँचा है, जिसमें 247 क्षतिग्रस्त घर, 149 गौशालाएँ और 225 पशुधन की मौत शामिल है। मंगलवार को जारी एक शाम की स्थिति रिपोर्ट में बताया गया है कि 198 सड़कें वर्तमान में अवरुद्ध हैं, 159 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर (डीटीआर) काम नहीं कर रहे हैं और 297 जलापूर्ति योजनाएँ बाधित हैं। एसडीएमए ने कहा, ₹पुनर्स्थापना कार्य चल रहा है, लेकिन नुकसान बहुत बड़ा है ₹ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र अत्यधिक दबाव में हैं जबकि शहरी केंद्र बड़े पैमाने पर चालू हैं।

> जेपी नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लगभग 51 स्थानों पर प्राकृतिक आपदाओं के कारण गंभीर त्रासदी हुई है, जान-माल का नुकसान हुआ है। मैं अपनी और पार्टी की ओर से गहरा दुःख व्यक्त करना चाहता हूँ। इससे हिमाचल के लोगों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहाँ राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं।

पार्टी की तरफ से प्रभावितों को बांटी राहत सामग्री इस दौरान जगत प्रकाश नड्डा ने भारतीय जनता पार्टी की तरफ से प्रभावितों को राहत सामग्री भी बांटी जिसमें राशन से लेकर घर का जरूरत का सामान मौजूद है। नड्डा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल और पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की पीठ थपथपाते हुए कहा कि भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने आपदा के तुरंत बाद मोर्चा संभालते हुए प्रभावितों तक मदद पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया था। यह सब डॉ. बिंदल और जयराम ठाकुर के नेतृत्व और मार्गदर्शन में ही संभव हो पाया। पार्टी अपने स्तर पर प्रभावितों की अलग से मदद कर रही है और पार्टी हमेशा प्रभावितों के साथ खड़ी है। प्रभावितों की मदद के लिए आज पूरे प्रदेश से लोग राहत सामग्री भेज रहे हैं।

# वह सिर्फ ग्लोबल करप्शन अवार्ड के हकदार, केजरीवाल के नोबेल प्राइज वाले वयान पर बोली बीजेपी

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के 'नोबेल पुरस्कार' वाले बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सिर्फ.एक ही पुरस्कार के हकदार हैं, 'ग्लोबल करप्शन अवार्ड'। उन्होंने आगे कहा कि अगर भ्रष्टाचारियों के बीच वैश्विक प्रतिस्पर्धा हो, तो अरविंद केजरीवाल सबको पछाड़ देंगे। दुनिया भर में चर्चा है कि अगर भ्रष्टाचार सीखना है, तो अरविंद केजरीवाल से सीखना चाहिए।

आज दिल्ली की जनता खुश है, क्योंकि उन्होंने भ्रष्ट अरविंद केजरीवाल को 'टाटा बाय-बाय' कह दिया है। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने सवाल किया कि क्या इसे ही सरकार चलाना कहते हैं? मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कुछ भी किया। इसे शासन कहना मुश्किल है।

सरकार चलाना एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कई ऐसे काम किए जो इस ज़िम्मेदारी के खिलाफ जाते हैं। उत्तर प्रदेश के मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को दुनिया का सबसे झूठ बोलने वाला राजनेता होने का नोबेल पुरस्कार जरूर मिलना चाहिए। उन्होंने जो भी कहा था कि वे नहीं करेंगे, वे सब उन्होंने सफलतापूर्वक कर दिखाया है।

> भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल द्वारा नोबेल पुरस्कार की मांग करने की बात सामने आई है। शायद उन्हें भ्रष्टाचार, लूट और शराब कांडों की जानकारी नहीं है। लापरवाही के कारण दिल्ली में एक तिहाई बच्चे प्रदूषण और विभिन्न बीमारियों से सांस लेने में तकलीफ का सामना कर रहे हैं।

## सम्पादकीय

### चुनाव आयोग की सख्ती, भ्रामक और गुमराह करने वाले पोस्ट पर एक्शन जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है लेकिन क्या महुआ मोइत्रा बिहार की सांसद हैं ? क्या उन्हें यह लगता है कि बिहार की तरह बंगाल में भी मतदाता सूची का सत्यापन हो सकता है। जो भी हो ऐसा सत्यापन पूरे देश में होना चाहिए क्योंकि सही मतदाता सूची से ही लोकतंत्र सशक्त बनेगा।बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की आवश्यक पहल के खिलाफ भ्रामक और गुमराह करने वाले वीडियो एवं पोस्ट पर चुनाव आयोग की सख्ती आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी फर्जी पोस्ट एवं वीडियो को खोज-खोज कर उन्हें गलत बता रहा है और इसी के साथ सच्चाई भी बयान कर रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को ऐसे भ्रामक वीडियो एवं पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए।यह और कुछ नहीं सीधा-सीधा फेक न्यूज का मामला है। यदि इस तरह की फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो शरारती तत्वों का दुस्साहस और अधिक ही बढ़ेगा। ऐसे तत्व चुनाव आयोग के साथ-साथ भारतीय लोकतंत्र की छवि खराब करने का ही काम करेंगे। अतीत में करते भी रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि वे किस तरह ईवीएम के खिलाफ गुमराह करने वाले वीडियो साझा कर चुके हैं।समस्या यह है कि चुनाव आयोग के पास पर्याप्त अधिकार नहीं। वह खुद को और चुनाव प्रक्रिया को बदनाम एवं देश की जनता को गुमराह करने वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। यह सहज ही समझा जा सकता है कि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया के खिलाफ कौन लोग भ्रामक पोस्ट एवं वीडियो साझा करने में लगे हुए हैं। यह तय माना जाना चाहिए कि इनमें से कई विपक्षी दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक होंगे। आखिर यह एक तथ्य है कि कांग्रेस, राजद समेत कई विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन का बेतुका विरोध किया है। समझना कठिन है कि आखिर निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के लिए यह क्यों नहीं पता लगाया जाना चाहिए कि वास्तविक मतदाता कौन हैं। यह काम तो पूरे देश में होना चाहिए। पहले होता भी रहा है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गए हैं। इनमें वकील एवं नेता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी भी हैं। कपिल सिब्बल सदैव ऐसा करने में आगे रहते हैं। बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा भी आगे आई हैं। सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है, लेकिन क्या महुआ मोइत्रा बिहार की सांसद हैं ? क्या उन्हें यह लगता है कि बिहार की तरह बंगाल में भी मतदाता सूची का सत्यापन हो सकता है।

## आज का विचार

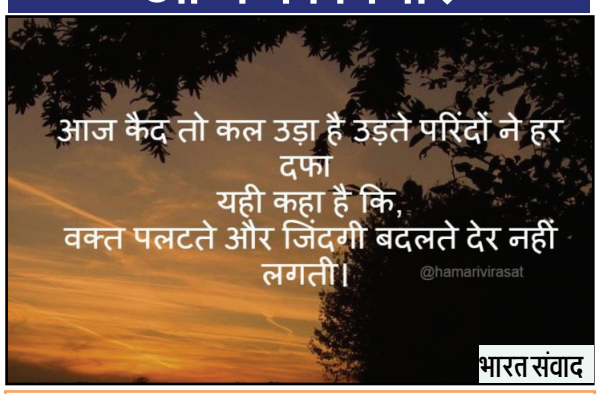







**मेष राशि:** करियरः कार्यक्षेत्र पर काम का दबाव झेलना पड़ सकता है. बिजनेसः व्यापार में मिला जुला परिणाम मिलेगा. धनः निवेश करने से पहले जानकार से सलाह जरूर लें. शिक्षाः आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है. लव/पारिवारिकः पारिवारिक विवाद सुलझ सकते हैं.

**वृषभ राशि:** करियरः करियर में आगे बढ़ना का मौका मिलेगा. बिजनेसः व्यापार में नए लोगों के साथ संबंध स्थापित करेंगे. धनः आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे. शिक्षाः किसी भी तरह की परीक्षा का परिणाम आज आपके हक में रह सकता है. लव/पारिवारिकः परिवार में संतान पक्ष की ओर से खुशियां मिलेंगी.

**मिथुन राशि**: करियरः कार्यक्षेत्र पर काम की अधिकता रहेगी, मानसिक रूप से थकान महसूस करेंगे. बिजनेसः रुकी हुई डील में फायदा मिल सकता है. आज अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. धनः आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए बचत की योजना बना सकते हैं. शिक्षाः विद्यार्थियों के लिए आज का दिन मेहनत भरा साबित रहेगा. लव/पारिवारिकः वैवाहिक जीवन में पार्टनर प्यार दिखा सकती है.

**कर्क राशि:** करियरः करियर में उतार-चढ़ाव देखना पड़ सकता है. बिजनेसः किसी के साथ संबंध बनाते समय लापरवाही न दिखाएं. धनः शेयर मार्केट में पैसा निवेश करने से पहले सलाह जरूर लें. शिक्षाः पढ़ाई के साथ-साथ अन्य चीजों में मन भाग सकता है. लव/पारिवारिकः परिवार के साथ समय बीताने का मौका मिलेगा.

**सिंह राशि :** करियरः कार्य में भागदौड़ रहेगी, परिणाम अच्छे मिलेंगे। बिजनेसः व्यापार में लाभ संभव है, नई डील हो सकती है। धनः अच्छा लाभ मिल सकता है, खर्च सोच-समझकर करें।शिक्षाः नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा। लव/पारिवारिकः परिवार से सहयोग मिलेगा, नई वस्तु की खरीदारी संभव।

**कन्या राशि :** करियरः कार्यक्षेत्र पर काम से संबंधित नई जिम्मेदारी मिल सकती है. बिजनेसः व्यापार के मामले में थोड़े चालाक बनें. धनः किसी दोस्त को पैसों की जरूरत पड़ सकती है. शिक्षाः बेहतर परिणाम की आशा में रहने से अच्छा है, अधिक से अधिक मेहनत करें. लव/पारिवारिकः प्रेम के लिहाज से पार्टनर के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा.

**तुला राशि :** करियरः कार्यक्षेत्र पर किसी से बहस हो सकती है. बिजनेसः व्यापार में आज के दिन अधिक मुनाफा कमा सकते हैं. धनः धन का बचत करना भी सीखें, फिजूलखर्ची पर कंट्रोल करें. शिक्षाः विद्यार्थियों को इस वक्त अधिक मेहनत करने की जरूरत है. लव/पारिवारिकः परिवार में किसी सदस्य की तबीयत खराब हो सकती है.

**वृश्चिक राशि:** करियरः कार्यक्षेत्र पर अपने काम को गंभीरता से करने की जरूरत है. बिजनेसः साझेदारी में किसी भी तरह का व्यापार करने से बचें. धनः किसी से न उधार लें और न ही किसी को उधार दें.

**धनु राशि:** करियरः कार्यक्षेत्र पर आपके काम को सम्मानित किया जा सकता है. बिजनेसः बिजनेस में नई शुरूआत करने के लिए ये समय अच्छा है. धनः किसी भी तरह की स्कीम से पैसा कमा सकते हैं.

**मकर राशि:** करियरः कार्य में मन लगा रहेगा. किसी से भी अपनी योजना साझा नहीं करें. बिजनेसः व्यापार में बढ़िया ऑर्डर मिल सकता है. धनः धन खर्च करने से पहले निवेश की भी सोचें. शिक्षाः पढ़ाई में मन नहीं लग सकता है. इसे गंभीरता से लें.

**कुंभ राशि :** करियरः कार्यक्षेत्र पर काम की अधिकता के कारण समय रहते उसे निपटा देंगे. बिजनेसः व्यापार में किसी साझेदार की तलाश कर सकते हैं. धनः घर में शॉपिंग करने के कारण आज अधिक खर्च हो सकता है. अलग कोर्स का चयन कर सकते हैं.

**मीन राशि:** करियरः कार्यक्षेत्र पर सहकर्मी की सहायता कर सकते हैं. बिजनेसः किसी भी मौके को हाथ से जाने नहीं दे.

**ज्योतिष सेवा केन्द्र**
**ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री**

# अब और बढ़ी वायु सैन्य शक्ति की महत्ता, अंतरिक्ष मोर्चे पर भी भारत की जीत

> अंतरिक्ष मोर्चे पर भारत को सैटेलाइट निगरानी नाविक संचार अर्ली-वार्निंग और एंटी-सैटेलाइट क्षमताएं विकसित करनी होंगी। वायु रक्षा प्रणालियों का एकीकरण और विभिन्न सैन्य बलों में उनके उपयोग को सुगम एवं लचीला बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्वदेशी शोध एवं विकास में निरंतर निवेश बढ़ाना होगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी मजबूत बनाई जाए। खरीद प्रक्रिया को गति देनी होगी।

पा आपरेशन सिंदूर ने भारत की उन क्षमताओं को साबित किया कि पाकिस्तान की धरती पर कदम रखे बिना भी उसके भीतरी इलाकों में स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया जा सकता है। अमेरिका और इजरायल ने भी ईरान के प्रमुख सैन्य ठिकानों पर हवाई हमलों के जरिये ऐसी ही क्षमताएं दिखाई। तुर्किये से लेकर रूस जैसे देश अपनी वायु सैन्य शक्ति विशेषकर ड्रोन जैसी तकनीक पर भरोसा करते हैं। वायु और अंतरिक्ष में किसी देश की क्षमताएं ही उसकी सामरिक शक्ति को निर्धारित कर रही हैं, क्योंकि इसके जरिये सुदूरवर्ती जगह से भी पूरी सटीकता एवं तत्परता से हमला कर दुश्मन को क्षति पहुंचाई जा सकती है। अतीत में युद्ध संसाधनों की दृष्टि से जमीन कब्जाने के लिए लड़े जाते थे, जिसमें जमीन पर सक्रिय सैन्य बलों के लिए वायु शक्ति सहायक की भूमिका निभाती थी। हालांकि जमीन कब्जाने के साथ और जटिलताएं जुड़ी होती हैं, जैसे उस पर काबिज होने के बाद वहां गवर्नेंस भी कई बार बोझ बन जाती है। स्थानीय लोगों के प्रतिरोध का भी सामना करना पड़ता है जो अक्सर गुरिल्ला युद्ध का रूप ले लेता है। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है। अपने उपनिवेशों से ब्रिटेन का निकलना, वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान से अमेरिका का पलायन और अफगानिस्तान से सोवियत संघ का पीछे हटना यही साबित करता है कि क्षेत्रीय कब्जे में गवर्नेंस का अंतर्निहित बोझ छिपा होता है। यही कारण है कि आधुनिक समर नीति में युद्धों का स्वरूप बदल गया है।



इसमें परंपरा से इतर अपने उद्देश्यों की पूर्ति एवं वर्चस्व पर ध्यान केंद्रित होता है। समय के साथ वायु सैन्य शक्ति को लेकर राजनीतिक दृष्टिकोण बदला है। एक समय इसे उकसाने वाला कदम समझा जाता है, लेकिन अब इसे सटीक प्रहार वाली नियंत्रित कार्रवाई के रूप में मान्यता मिल रही है। भारत के बालाकोट और आपरेशन सिंदूर जैसे अभियान से लेकर ईरान पर अमेरिका-इजरायल की बमबारी यही साबित करती है कि वायु सैन्य शक्ति टकराव को व्यापक रूप से बढ़ाए बिना ही दुश्मन को घर में घुसकर दंडित करने में उपयोगी साबित होती है। चूंकि ऐसे हमले मुख्य रूप से खुफिया जानकारी पर आधारित चिह्नित आतंकी या सैन्य इलाकों को निशाना बनाकर किए जाते हैं तो इसमें आम जन हानि की आशंका भी घट जाती है। युद्ध का बुनियादी सिद्धांत ही यही है कि दुश्मन आपके हमले से चौंक जाए। वायु सैन्य शक्ति चौंकाने वाले इस पहलू को सुनिश्चित करती है। यह जितनी गति, तत्परता और सटीकता से लक्ष्य को साधती है, उसकी किसी अन्य पारंपरिक सैन्य शक्ति से तुलना संभव नहीं। इसके जरिये दुश्मन के कमांड सेंटर, आपूर्ति शृंखला और बुनियादी ढांचे को चोट पहुंचाकर उसकी कमर तोड़ना संभव है। वायु सैन्य शक्ति भी समय के साथ बहुत उन्नत होती गई है। पूर्व में मिग-21 जैसे विमान बेस से केवल कुछ सैकड़ों किमी दूर तक ही संचालित हो सकते थे। आज लंबी दूरी तक मारक क्षमता वाले बमवर्षक, ड्रोन, क्रूज मिसाइलों के साथ ही हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा ने हजारों किमी दूर सुदूरवर्ती इलाकों तक मार करने की क्षमता दिलाई है और वह भी दुश्मन के वायु क्षेत्र में प्रवेश किए बिना। मिसाइलें तो 1,000 किमी से भी दूर तक निशाना लगा सकती हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें तो कम समय में ही काम निपटा सकती हैं। बी-52 और राफेल जैसे विमान हवा में ही ईंधन भरकर घंटों तक उड़ते हुए महाद्वीपों की सीमा को पार कर सकते हैं। एमक्यू-9 रीपर जैसे ड्रोन दिन भर से अधिक तक अपने लक्ष्य के ऊपर मंडरा सकते हैं। निःसंदेह भारत ने अपनी वायु सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी की है और यह क्रम निरंतर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन हमें चीन को लेकर अपनी सतर्कता भी बढ़ानी होगी, जिसने अपनी सामरिक शक्ति को बड़े पैमाने पर बढ़ाया है। चीनी वायु सेना के पास 200 से अधिक जे-20 स्टील्थ फाइटर्स हैं और पिछले 15 वर्षों में उसने आधुनिक लड़ाकू विमानों के अपने बेड़े को तीन गुना तक बढ़ाया है। एच-6 के बमवर्षक के साथ लंबी दूरी की उसकी मारक क्षमताएं बढ़ी हैं तो वाई-20 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिये सैनिकों और रसद सामग्री को तेजी से कहीं भी पहुंचाने की उसकी क्षमता में इजाफा हुआ है। चीन ने लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली पीएल-15 जैसी मिसाइल विकसित की है और उसके उन्नत संस्करणों को तैयार करने में भी लगा हुआ है। हाइपरसोनिक मिसाइलों पर भी वह भारी दांव लगा रहा है। चीन के मिसाइल लांचर भी 2000 के बाद दोगुने से अधिक हो गए हैं। उसका बायडू सैटेलाइट सिस्टम सामरिक मोर्चे को लक्षित करने और नेविगेशन से लेकर संचार सुविधाओं में सहयोग करता है। पाकिस्तान के साथ चीन की नजदीकियों को देखते हुए भारत की चुनौतियां और बढ़ जाती हैं। इसलिए भारत को न केवल अपनी मौजूदा रक्षा प्रणालियों, बल्कि आधुनिक क्षमताओं के विकास को लेकर भी तत्परता का परिचय देना होगा। इसमें एएमसीए, एलसीए, एमके-टू, लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगाने वाली मिसाइलें, हाइपरसोनिक हथियार, एमएएलई और एचएएलई ड्रोन और हवा में ईंधन भरने की अत्याधुनिक तकनीकों को प्राथमिकता में रखना होगा। एडवांस रडार और सेंसर सुइट्स, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम्स के साथ ही पूर्णतया सुरक्षित एवं एआइ-संचालित कमांड एवं कंट्रोल नेटवर्क विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष मोर्चे पर भारत को सैटेलाइट निगरानी, नाविक, संचार, अर्ली-वार्निंग और एंटी-सैटेलाइट क्षमताएं विकसित करनी होंगी। वायु रक्षा प्रणालियों का एकीकरण और विभिन्न सैन्य बलों में उनके उपयोग को सुगम एवं लचीला बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्वदेशी शोध एवं विकास में निरंतर निवेश बढ़ाना होगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी मजबूत बनाई जाए। खरीद प्रक्रिया को गति देनी होगी। वायु और अंतरिक्ष क्षमताएं ही अब संहारक एवं निवारक क्षमताओं को निर्धारित कर रही हैं तो भारत प्राथमिकता के आधार पर अपने औद्योगिक आधार को सक्रिय एवं सशक्त करते हुए ऐसी क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करे।

# राजनाथ सिंहः रक्षा, राष्ट्रीयता और राजनीतिक कौशल के प्रतीक

**ललित गर्ग**

भारत के राजनीतिक आकाश पर जिन व्यक्तित्वों ने अपनी सादगी, दृढ़ता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है, उनमें राजनाथ सिंह का नाम शीर्ष पर आता है। राजनाथ सिंह आज देश के रक्षा मंत्री के रूप में भारत की सुरक्षा नीति, सामरिक रणनीति और आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उनका राजनीतिक जीवन एक प्रेरणा की तरह है-जहां संघर्ष है, सिद्धांत हैं, और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उनकी लोकप्रियता एवं राजनीतिक कद यूं ही शिखरों पर आरुढ़ नहीं हुआ है, भारत के नवनिर्माण की उनकी प्रभावशाली शैली इसका कारण है। एक तरफ उन्होंने भारत की आजादी के अमृतकाल में रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता बल्कि निर्यातक की भूमिका निर्मित की है, वही दूसरी ओर स्वराज्य, नये भारत-विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। राजनाथ सिंह जैसे साहसी, निर्भीक एवं कद्दावरी नेताओं के कारनामों को दुनिया देख रही है, भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है, राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में इस विश्वसनीयता को निर्मित किया



है। भारत के रक्षा उत्पाद दुनियाभर में निर्यात हो रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं पूर्णता में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है, जो एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। ह्यमेक इन इंडियाह्व दुनिया में परचम फहरा रहा है, सफलता की नई कहानी लिख रहा है।

राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान जैसे बाहरी खतरों के विरुद्ध रणनीतिक दृष्टिकोण ही नहीं अपनाया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र को भी आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। रक्षा उत्पादन नीति के अंतर्गत उन्होंने कई विदेशी उपकरणों की आयात पर रोक लगाई और 100 से अधिक रक्षा सामग्रियों को ह्यनिषिद्ध सूचीह्व में डालते हुए भारत में ही निर्माण को प्राथमिकता दी। ह्यमेक इन इंडियाह्व अभियान को बल देते हुए उन्होंने स्वदेशी फाइटर जेट तोप, और ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहित किया। देश के निजी उद्योगों को भी उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया और डीआरडीओ के साथ साझेदारी के नए मॉडल लागू किए। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि ने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का मार्ग दिया है। हाल ही में 2000 करोड़ के ड्रोन प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत उन्होंने न केवल सैन्य उपयोग के लिए बल्कि कृषि, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों के लिए भी ड्रोन विकास को गति दी है।

पाकिस्तान के संदर्भ में उनका रुख अत्यंत स्पष्ट रहा है-बातचीत तब ही संभव है जब आतंकवाद बंद हो और पाकिस्तान अपने गुनाह स्वीकार करे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाकिस्तान से कोई संवाद होगा, तो वह केवल पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगा। यह उनके नेतृत्व की स्पष्टता, साहसिकता और रणनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने भारत की सामरिक नीतियों को केवल आक्रामकता ही नहीं दी, बल्कि संतुलन भी प्रदान किया है। उनका कहना है, हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन यदि कोई हमें ललकारेगा, तो हम उसे जवाब देना जानते हैं। यह भावना ही आज के भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित कर रही है। उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्रप्रेम ने उन्हें देश के सर्वोच्च नेताओं की श्रेणी में स्थापित किया है। राजनाथ सिंह का व्यक्तित्व विनम्रता, नीतिपरक दृढ़ता और संतुलित संवाद का उदाहरण है। वे विरोधी विचारों का सम्मान करते हैं लेकिन राष्ट्रहित से समझौता नहीं करते। इसी विचारधारा को उन्होंने रक्षा मंत्री बनने के बाद अपनी कार्यशैली में उतारा। बीते वर्षों में भारत जिन आतंकी चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसमें राजनाथ सिंह का रुख न केवल स्पष्ट रहा है बल्कि निर्णायक भी। कोई आंख तरेर कर तो देखें ! पर ललकार की मुद्रा में वे कठोर जबाव देते हैं।

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने जिस तत्परता और आक्रामकता से ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व को अंजाम दिया, वह भारत की बदली हुई सैन्य सोच का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने चीन एवं पाक के दोगलेपन पर यह स्पष्ट किया कि शांति केवल एक भ्रम है, हमें हर पल युद्ध जैसी तैयारी में रहना होगा। इस अभियान में भारतीय वायुसेना और नौसेना की संयुक्त कार्रवाई ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, प्रति-प्रहार की नीति पर चलेगा। उन्होंने यह भी उजागर किया कि इस बार की कार्रवाई में स्वदेशी हथियारों और ड्रोनों की प्रमुख भूमिका रही, जो उनकी ह्यआत्मनिर्भर भारतह्व रक्षा नीति की बड़ी सफलता है। जो नवनिर्माण की रफ्तार एवं नई कड़ी है। रक्षा मंत्री ने गर्व से बताया कि भारतीय सेना अब आयात पर निर्भर नहीं, बल्कि स्वदेशी तकनीक से आतंकवाद को जवाब दे रही है। उनका मानना है कि सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है, बल्कि राष्ट्र के आत्मबल और तकनीकी सामर्थ्य को विकसित करना भी है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। भारत ने इन नवाचारों को अपनाते हुए गतिशील आर्थिक परिदृश्य का निर्माण किया है। रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव कर रहे हैं एवं रक्षा में करिश्मा दिखा रहे हैं।

उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं। भारत के पास विकास और सुरक्षा को लेकर एक विशिष्ट दृष्टिकोण है, जिसने रक्षा में आत्मनिर्भरता को एक प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया है। राजनाथ सिंह के सफल नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है।

# इंस्टाग्राम से परे, फेसबुक रील्सः क्या हम रियल की कला खो रहे हैं

**विजय गर्ग**

ऐसे समय में जहां 15 सेकंड का वीडियो एक लाख बार देखा जा सकता है, यह पूछना उचित हैः क्या हम वास्तव में अब और संवाद कर रहे हैं, या हम सिर्फ प्रदर्शन कर रहे हैं ? वास्तविक संचार की कला - दिल से दिल की बात, ठहराव, मौन की बारीकियों, शब्दों के पीछे की ईमानदारी - फिल्टर, ट्रेंडिंग ध्वनियों और पूरी तरह से कोरियोग्राफ किए गए स्निपेट्स की एक हड़बड़ी में घुलने लगती है।इंस्टाग्राम रील्स, टिक्टॉक्स और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो ने भले ही अभिव्यक्ति के लिए नए दरवाजे खोले हों, लेकिन उन्होंने उन लोगों को भी बंद कर दिया है जो एक बार वास्तविक कनेक्शन के लिए नेतृत्व करते थे। मुझे एक वास्तविक जीवन की घटना के साथ शुरू करते हैं।छात्रों को एक साधारण व्यायाम में संलग्न करने के लिए: उनके फोन की जांच किए बिना पांच मिनट के लिए उनके बगल में बैठे व्यक्ति से बात करें ।कमरा शांत हो गया। कुछ घबराए हुए; दूसरों ने बस अपने डेस्क को देखा। जब वे शुरू हुए, तो अधिकांश वातालाॅप एक या दो मिनट के भीतर समाप्त हो गए।सोशल मीडिया प्लेटफार्मों ने एक संवाद अधिनियम से एक प्रदर्शन के लिए संचार को फिर से परिभाषित किया है। रीलों, विशेष रूप से, संक्षिप्तता को पुरस्कृत करने के लिए संरचित किया जाता है, गहराई या भेद्यता नहीं। 15 सेकंड में, जटिल भावना के लिए बहुत कम जगह है।जितना अधिक आप सरल करते हैं, उतना ही आप फिट होते हैं। जितना अधिक आप फिट होते हैं, उतना ही आप गायब हो जाते हैं। माइक्रोसॉफ्ट के एक अध्ययन के अनुसार, औसत मानव ध्यान अवधि एक सुनहरी मछली की तुलना में 8 सेकंड तक कम हो गई है। क्या यह कोई आश्चर्य है, तो, कि अब हम किताबों, लंबी बातचीत या यहां तक कि फिल्मों पर काटने के आकार की सामग्री पसंद करते हैं ? जब शब्द सिकुड़ जाते हैं, तो भावनाएं ₹के।₹, ₹हम्मम, ₹योग्य, ₹ठीक है, ₹देखा यह वही है जो हमारी बातचीत आज की तरह दिखती है। भाषा की समृद्धि चपटी हो रही है। सरकस्म गलत है।विडंबना खो जाती है। सहानुभूति कठिन हो जाती है जब आप एक आवाज तरकश नहीं सुन सकते हैं या एक आंसू रोल नीचे देख सकते हैं। वास्तविक संचार में टोन, संदर्भ, शरीर की भाषा शामिल है - सभी डिजिटल आशुलिपि से गायब हैं जो अब हम उपयोग करते हैं। मैंने एक बार दो किशोरों को एक-दूसरे के साथ नहीं, बल्कि हाथ में अपने फोन के साथ एक-दूसरे के साथ एक-दूसरे को मैसेज करते हुए देखा।यह रचनात्मक, अभिव्यंजक और यहां तक कि उपचार भी हो सकता है। लेकिन सत्यापन के लिए रिकॉर्ड करने, संपादित करने, अपलोड करने और प्रतीक्षा करने की निरंतर आवश्यकता संचार को प्रतिस्पर्धा में बदल रही है। जब लक्ष्य कनेक्ट करने के लिए नहीं बल्कि प्रभावित करने के लिए है, कुछ पवित्र खो जाता है ।टू-वे स्ट्रीट रियल कम्युनिकेशन के रूप में संचार का अर्थ है जितना बोलना सुनना। यह समझने, जवाब देने, अंतरिक्ष रखने के बारे में है। न केवल अपनी बारी का इंतजार करने के लिए, या बदतर, रिकॉर्ड। जब संदेश मोनोलॉग बन जाते हैं तो रिश्ते पीड़ित होते हैं। परिवार एक ही कमरे में बैठते हैं, प्रत्येक सदस्य स्क्रॉल करते हैं, पसंद करते हैं, साझा करते हैं, लेकिन बोलते नहीं हैं। मुझे एक रात का खाना याद है जहां एक बच्चा कुछ कहने के लिए अपनी मां की आस्तीन पर टहलता रहा। मां, इंस्टाग्राम के लिए अपने भोजन को फिल्माने में व्यस्त हैं, बिना सुने अपने बच्चे को परेशान करती हैं।वह बच्चा यह विश्वास करते हुए बड़ा हो सकता है कि स्क्रीन आवाजों की तुलना में अधिक ध्यान देने योग्य हैं। हम क्या कर सकते हैं ? यह प्रौद्योगिकी के खिलाफ एक शेखी नहीं है।

# वंदे भारत ने जीता जापानियों का दिल, ओसाका एक्सपो भारतीय रेल की धूम

भारत संवाद

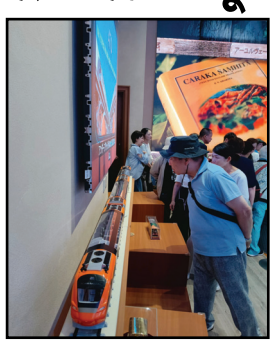

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है।लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है। वहीं, चिनाब ब्रिज झ जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है।हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक, खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र, चिनाब ब्रिज के 3ऊ प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा है। बदलते भारत की पहचान है।

# पर्यावरण असंतुलन और प्रदूषण की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण है वरदान:नन्दी

चंद्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए मंत्री नन्दी

## वृक्षारोपण आने वाले भविष्य की मजबूत बुनियाद है: नन्दी

भारत संवाद

एक पेड़ मां के नाम 2.0 वृहद वृक्षारोपण महाअभियान 2025 के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद पार्क प्रयागराज में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने मुख्य अतिथि के सम्मिलित होते हुए पृथ्वी को हरा-भरा बनाने, भावी पीढ़ियों को प्रदूषण मुक्त एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने के लिए पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम 2.0 सिर्फ एक वृक्षारोपण कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह समाज में प्रकृति के प्रति नई चेतना और संवेदनशीलता का परिचायक बन चुका है। इस अभियान में मां के स्नेह को प्रकृति से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को एक भावनात्मक आधार दिया गया है, जिससे लोग आत्मीयता से जुड़ रहे हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनकल्याणकारी नीतियों, जनसेवा के साथ ही समय-समय पर सामाजिक दायित्वों के प्रति लोगों का आवाहन किया है !इसी का परिणाम है कि स्वच्छता अभियान और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे नारे एक जन आंदोलन बन गए। प्रधानमंत्री द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारम्भ किया गया ! जिस तरह से माँ हमें जीवन की हर विपरीत परिस्थिति से बचाती है, हमारी सफलता के लिए प्रार्थना करती है ! माँ की गोद में एक बच्चे को संरक्षण और आँचल में सुकून मिलता है ! उसी तरह पेड़ भी हमें धूप और बारिश में अपनी छांव का संरक्षण देते हैं ! हमें ऑक्सीजन के माध्यम से जीवन देते हैं ! थकान से चूर व्यक्ति को पेड़ की छाया अमृत की तरह आराम देती है ! घर के बाहर लगा एक पेड़ कई-कई पीढ़ियों का गवाह होता है ! पर्यावरण असंतुलन और प्रदूषण की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण किसी वरदान से कम नहीं है ! यह आने वाले भविष्य की मजबूत बुनियाद है ! एक सच्ची विरासत है जो हम आने वाली पीढ़ी को सौपेंगे और वह विरासत है स्वस्थ हवा में साँस लेने का अवसर ! पेड़ प्राकृतिक फिल्टर और एयर कंडीशनर हैं !

## फास्ट ट्रैक

### थाना हलिया पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हलिया पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः09.07.2025 को उप-निरीक्षक अच्छेलाल यादव मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी श्याम बाबू पुत्र दूधनाथ निवासी बेदउर थाना हलिया जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

### थाना जिगना पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जिगना पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः09.07.2025 को उप-निरीक्षक अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी श्रीनारायण पुत्र त्रिवेणी प्रसाद निवासी भौरूपुर थाना जिगना जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

### थाना जिगना पुलिस द्वारा किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः27.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पुत्री को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने तथा वादी द्वारा अभियुक्त के घर जाकर उसके माता-पिता से पूछने पर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-192/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक जिगना को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः09.07.2025 को उप-निरीक्षक अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत नरोइया मोड़ पुल के पास से नामजद अभियुक्त भगवानदास पुत्र हर्षनारायण निवासी रतनपुर नरोइया थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

### थाना जमालपुर पुलिस द्वारा शांति भंग तथा मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के अभियोग से सम्बन्धित 06 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना जमालपुर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः08.07.2025 को वादी रूपचन्द्र पुत्र स्व0सुखदेव निवासी बहुआर थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर द्वारा सफुद्दीन आदि 10 नफर नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध पुरानी रंजीश को लेकर वादी के घर पर आकर गाली-गलौज देते हुए लाठी व डण्डे से मारपीट कर वादी एवं उसके परिवार के अन्य सदस्यों को गंभीर रूप से घायल कर देने तथा जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना जमालपुर पर मु0अ0सं0-108/2024 धारा 191(2),115(2),352,351(3),125 बीएनएस, 3(1)(द)(ध), 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट व 7 सीएलए पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।

# महापौर प्रयागराज ने किया पौधारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन

## मियावाकी पद्यति से लवायन समोगर नैनी में लगाए गये एक लाख दस हजार पौधे।

नगर निगम के समस्त अधिकारियों एवं मा0 पार्षदों ने लगाये मॉ के नाम एक-एक पौधा।

भारत संवाद

प्रयागराज। महापौर प्रयागराज श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी द्वारा आज दिनांक 09 जुलाई 2025 को नैनी क्षेत्र में मियावाकी पद्यति से पौधारोपण का कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। लवायन समोगर नैनी प्रयागराज में मियावाकी पद्यति से एक लाख दस हजार पौधो को रोपित किया गया। मा0 महापौर द्वारा बताया गया कि इस पद्यति से पौधों को गति प्राप्त होती है साथ ही पौधे जल्दि विकसित होते है और जंगल का रूप लेते है। वातावरण में प्रदूषण का स्तर कम होता है साथ ही आस-पास के क्षेत्रों को शुद्ध वायु पाप्त होती है। हमे अपनी धरा को बचाने के लिए तथा अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए हम सभी को पौधों को लगाना आवश्यक है हम सभी को संकल्प लेकर मॉ के नाम एक पौधा अवश्य ही लगाना चाहिये। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय पार्षद अनुराधा सिंह, पार्षद मयंक यादव, रणविजय सिंह डब्बू, बलराज पटेल, संजय कुमार, पवन यादव, किरण जयसवाल, सुनीता चोपड़ा, मुकेश कसेरा, सुनील केसरवानी, कामिनी, अनिल कुशवाहा, राकेश जयसवाल, ऋषि निषाद, शिवनारायण यादव, रूद्रसेन जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा विनोद प्रजापति, दिवाकर सिंह, राजन शुक्ला, ज्ञानेश्वर शुक्ला, विवेक अग्रवाल, गिरीजेश मिश्रा, प्रमोद जायसवाल, मोदी सुभाष वैश्य, एवं नगर निगम प्रयागराज के अधिकारी अपर नगर आयुक्त श्री दीपेन्द्र यादव, श्री राजीव शुक्ला, श्री अरविन्द राय, मुख्य अभियन्ता श्री डी0सी0 सचान, श्री संजय कुमार कटियार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री पी0के0मिश्र अवर अभियन्ता राम सक्सेना, जोनल अधिकारी श्री अखिलेश त्रिपाठी, अधिशाषी अभियंता जलकर मनोज चौधरी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित हुए।

# उत्तर भारतीयों के साथ हमेशा आरपीआई ढाल की तरह खड़ी है, यूपी जिला पंचायत चुनावों में बड़ी संख्या में सीटें जीतना लक्ष्य : रामदास आठवले

भारत संवाद

प्रयागराज। महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों के हक और अधिकार के लिए आरपीआई हमेशा खड़ी रही है। जब-जब उत्तर भारतीयों के साथ हिंसा, मारपीट या उनके हक पर हमला हुआ, आरपीआई ने हमेशा पुरजोर तरीके से इसका विरोध किया है। मुंबई विविधता और एकता का शहर है। हमें मराठी भाषा पर गर्व है और होना भी चाहिए लेकिन किसी को भी भाषा या प्रांत के नाम पर थप्पड़ मारने का अधिकार नहीं है। यह न केवल भारतीय संविधान का अपमान है, बल्कि हमारी सामाजिक संस्कृति का भी। भाषा, जाति या प्रांत के नाम पर दादागिरी नहीं समता, शिक्षा और भाईचारे के रास्ते पर चलना ही बाबासाहेब का सच्चा अनुसरण है। ये बात रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार रामदास आठवले ने प्रयागराज सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान कही केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि आरपीआई बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विजन को उत्तर प्रदेश में विस्तार देने का कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में आरपीआई केवल राजनीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के मूल अधिकारों को लेकर सक्रिय है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और सामाजिक रूप से विविध राज्य में आरपीआई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बाबा साहेब का सपना था, एक ऐसा भारत जहाँ हर वर्ग को बराबरी का अधिकार मिले और आज आरपीआई उत्तर प्रदेश में अपने 10 सूत्रीय कार्यक्रमों निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा, निःशुल्क न्याय, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, श्रमिक कल्याण, बेरोजगारी हटाओ, पुलिस उत्पीड़न पर रोक, भूमिहीनों को जमीन के माध्यम से बाबा साहेब के इस सपने को पूरा करने का काम कर रही है। आरपीआई उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता के नेतृत्व में लगातार उत्तर प्रदेश में आरपीआई विस्तार कर रही है। लगातार जमीनी स्तर पर जनता के अधिकारों की आवाज बुलंद की जा रही है।10 सूत्रीय कार्यक्रम के माध्यम से आरपीआई उत्तर प्रदेश के गांव, मजदूर, दलित, पिछड़े, किसान, युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति का तेजी से जनसमर्थन जुटा रही है। यह सिर्फ वादे नहीं, बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों पर आधारित परिवर्तन का रास्ता है। आरपीआई हर जिले में सक्रिय कार्यकारिणी जनसामान्य के हक एवं अधिकार के लिए संघर्ष कर रही है। हर गलत का विरोध आरपीआई उत्तर प्रदेश में पवन गुप्ता के नेतृत्व में कर रही है।

# अभाविप ने मनाया राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस; प्रयाग महानगर में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में संगोष्ठी का किया गया आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रयाग महानगर के कार्यकताओं द्वारा आज अभाविप के 77वें स्थापना दिवस पर सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी इंटर कॉलेज एवं साथ ही प्रयाग महानगर के इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, जगत तारन डिग्री कॉलेज, बाल विद्या मंदिर एवं स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। देश-भर में अभाविप के स्थापना दिवस को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है और यह अभाविप के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में से एक है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में अभाविप के प्रांत शोध कार्य संयोजक सर्वेश सिंह एवं कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में ज्वाला देवी इंटर कॉलेज के प्राचार्य विक्रम सिंह परिहार की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत कटरा स्थित अभाविप कार्यालय पर ध्वजारोहण से हुई, जिसमें प्रांत संगठन मंत्री अभिलाष जी ने ध्वज फहराया एवं कार्यकताओं को संगठन के ध्येय पथ पर निरंतर अग्रसर रहने का आान किया। अभाविप ने अपने 76 वर्षों की ध्येय यात्रा को पूर्ण कर 77 वें वर्ष में प्रवेश किया है और आज विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में बनकर उभरी है। आज अभाविप शिक्षा के साथ समाज, पर्यावरण, सेवा, खेल, तकनीकी, आदि क्षेत्रों में भी प्रमुखता से कार्य कर रही है। अभाविप ने इस यात्रा में मानवता के लिए स्वर्णिम इतिहास लिखा है और अभाविप का यह विराट स्वरूप पूर्व कार्यकताओं के संघर्षों की देन है। अभाविप आज भारत के प्रत्येक परिसर में मौजूद है और व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र पुनर्निर्माण के ध्येय को लेकर काम कर रही है। अभाविप ही एकमात्र ऐसा छात्र संगठन है, जो किसी दल विशेष का छात्र संगठन नहीं है ।

# अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के नेतृत्व में जनपद लखनऊ में एक मुहिम के तहत बृहद वृक्षारोपण किया गया

पारिजात, आम, अमरूद सहित लौंग, कालीमिर्च, हींग आदि के फलदार एवं मसालेदार पौधे लगाए गए

अपर मुख्य सचिव ने किया उद्यान विभाग के विभिन्न संस्थानों में वृक्षारोपण

भारत संवाद

लखनऊः अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री बी.एल. मीणा के नेतृत्व में राजकीय उद्यान आलमबाग, मंत्री उद्यान, राजकीय अलंकृत उद्यान, उपनिदेशक लखनऊ कार्यालय शीतगृह परिसर सहित उद्यान निदेशालय में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत अधिकारियों/कार्मिकों ने भी वृक्षारोपण किया।इस अवसर पर श्री मीणा ने कहा कि फलदार, औषधीय एवं मसालेदार पौधों का वृक्षारोपण करने के लिए आमजन को प्रेरित किया जाए तथा लोगों को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराये जाए।जिससे लोग अधिक से अधिक पौध रोपण में सहभागिता कर सकें। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत हर व्यक्ति एक पेड़ अवश्य रोपे, जिससे पृथ्वी को हरा-भरा बनाया जा सके। वृक्ष हमें जीवनदायनी वायु प्रदान करते हैं। इस अभियान के तहत आज पारिजात, सहजन, इलायची, जायफल, काली मिर्च, हींग, तेजपत्ता, आम, अमरूद, चीकू, हरसिंगार, पुत्तनजीवा, आंवला आदि के पौधे उद्यान विभाग के विभिन्न संस्थानों में 5000 से अधिक रोपे गये।

# माननीय रेल मंत्री ने शोक की घड़ी में भी निभाया कर्तव्य, फोन पर की लेवल क्रॉसिंग (LC) गेट सुरक्षा अभियान की महत्वपूर्ण समीक्षा

भारत संवाद

09 जुलाई 2025 को माननीय रेल मंत्री ने अपने पूज्य पिताश्री के निधन के अगले ही दिन, अंतिम संस्कार और पारिवारिक शोक के बावजूद, रेलवे सुरक्षा से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषय लेवल क्रॉसिंग (LC) गेट सुरक्षा की समीक्षा फोन पर की। उन्होंने इस विषय पर देशभर के जोन में लागू करने के लिए 11 महत्त्वपूर्ण निर्देश जारी किए।छउ गेट्स की सुरक्षा जांच हेतु 15 दिवसीय विशेष अभियान की शुरूआत 8 जुलाई 2025 से की गई है।

1. सभी LC गेट्स पर CCsTV कैमरे और रिकॉर्डिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाए जाएँ। बिजली की आपूर्ति के लिए सौर पैनल, बैटरी बैकअप, UPS आदि का भी उपयोग किया जाए। यह कार्य मिशन मोड में पूर्ण किया जाए।

2. Close to Road Traffic' Level crossing 'Open to Road Traffic'में परिवर्तित करने की नीति की समीक्षा की जाए।

3. सभी LC गेट्स का इंटरलॉकिंग कार्य शीघ्रता से किया जाए।

4. रेलवे की PSUs को भी इंटरलॉकिंग एवं निर्माण कार्यों में शामिल किया जाए।

5. इंटरलॉकिंग हेतु TVU सीमा 20,000 से घटाकर 10,000 की गई है।

6. 10,000 TVU से अधिक वाले सभी गेट्स को प्राथमिकता से इंटरलॉक किया जाए, भले ही ROB/RUB/LHS की योजना बनी हो या नहीं।

7. सभी मंडल रोजाना कम-से-कम 2 गैर-इंटरलॉक छउ गेट्स की वॉइस रिकॉर्डिंग की रैंडम जांच करें।

8. सभी DRMs यह सुनिश्चित करें कि वॉइस लॉगर सिस्टम कार्यरत एवं पूरी तरह से क्रियाशील हो।

9. स्पीड ब्रेकर और चेतावनी बोर्ड्स को मानक अनुसार लगाया जाए और गलती होने पर तत्काल सुधारा जाए।

10. LC गेट्स को हटाने हेतु LHS/RUB/ROBनिर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए।

11. ऐसे व्यस्त गेट्स की सूची बनाई जाए जहाँ अतीत में जनता ने गेटमैन पर दबाव डाला हो या दुर्व्यवहार किया हो – वहाँ RPF या होमगार्ड की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

# जिलाधिकारी ने श्रावण मास के प्रमुख शिवालय मनकामेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बुधवार को नगर आयुक्त श्री साई तेजा के साथ 11 जुलाई से प्रारम्भ हो रहे श्रावण मास में सभी शिवालयों में आवश्यक सभी व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये जाने के दृष्टिगत प्रमुख शिवालय मनकामेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया एवं सभी सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी व नगर आयुक्त ने सर्वप्रथम मनकामेश्वर मंदिर के प्रभारी ब्रम्हचारी श्री श्रीधरानंद जी महाराज से भेंटकर मंदिर की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने वहां पर बैरिकेटिंग, प्रकाश की व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट, पानी के टैंकर, साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त से शिवालयों के आस-पास भण्डारों के आयोजन होने के दृष्टिगत अच्छी साफ-सफाई की व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने मुख्य अभियंता नगर निगम विद्युत से वहां पर प्रकाश की अच्छी व्यवस्था कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मनकामेश्वर मंदिर में हुए जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यों में जो कार्य शेष है, उसे शीघ्रता से गुणवत्ता पूर्ण ढंग से कराये जाने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया है। इस अवसर पर सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं

मंत्री नन्दी के पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव सेवा सप्ताह के तहत मरीजों एवं वृद्धजनों की सेवा की गई

अस्पतालों, वृद्धाश्रम एवं कुष्ठाश्रम में पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों ने वितरित की आवश्यक सामग्री

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विका मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव 12 जुलाई के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत बुधवार को भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों ने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में स्थित अस्पतालों, वृद्धाश्रम एवं कुष्ठाश्रम में मरीजों व वृद्धजनों को फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित कर सेवा कार्य किया। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने चौक मंडल क्षेत्र में काल्विन अस्पताल, मीरापुर मंडल क्षेत्र में करेलाबाग स्थित कुष्ठ रोग आश्रम, कीडगंज मंडल क्षेत्र में स्वरूपरानी अस्पताल, मुट्ठीगंज मंडल क्षेत्र में वृद्धा आश्रम एवं नैनी मंडल में चकदोंदी स्थित वृद्धा आश्रम में मरीजों को फल, जूस के साथ ही अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान किया। इस भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, मंडल अध्यक्ष चौक सुमित वैश्य, मीरापुर गया निषाद, नैनी रजत दुबे, मुट्ठीगंज परमानंद वर्मा, कीडगंज कबीर जायसवाल के साथ ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंत्री नन्दी के पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत अग्रवाल महिला मंडल प्रयागराज की सदस्यों ने मंडल की अध्यक्ष मोना अग्रवाल एवं महामंत्री सलोनी अग्रवाल के नेतृत्व में काल्विन अस्पताल में सेवा कार्य किया। यह आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ह्यनंदीह्ल के पुनर्जन्म दिवस की खुशी में उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना के साथ किया गया। मरीजों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें फल एवं बिस्किट वितरित किए गए।इस कार्यक्रम में काल्विन अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. एस. के. चौधरी का सहयोग सराहनीय रहा। अध्यक्ष मोना अग्रवाल ने कहा कि ह्लसेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं। हम सभी का प्रयास है कि समाज में जरूरतमंदों की मदद कर सकें।

# लोकरत्न हिमालय सम्मान से सम्मानित हुए देहरादून डीएम सविन बंसल

भारत संवाद

देहरादून , असाधारण निर्णयों एवं उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल को लोकरत्न हिमालय सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें पारम्परिक पर्वतीय वाद्य यंत्र रणसिंघा व ढोल दमाऊ का प्रतीक चिन्ह, अभिनन्दन पत्र तथा शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्वतीय बिगुल सामाजिक सांस्कृतिक संस्था द्वारा अपने 29 वें स्थापना दिवस पर प्रदान किया गया । पदमश्री प्रीतम भरतवाण, गायिका मीना राणा, राज्य आन्दोलनकारियों समेत अनेक प्रतिष्ठित लोगों के हाथों से जिलाधिकारी को सम्मान प्रदान किया गया।इस अवसर पर लोक कलाकारों ने लोक गीतों से समां बांध दिया। सम्मान ग्रहण करने पर जिलाधिकारी श्री बंसल ने सम्मान के लिए संस्था और उत्तराखण्ड की जनता का धन्यवाद किया। कहा कि सम्मान कार्य के प्रति अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बनाता है। जिलाधिकारी के कार्यक्रम स्थल पर आगमन पर ढोल दमाऊ से उनका स्वागत किया गया ।उल्लेखनीय है कि 1997 से प्रारम्भ किए सम्मान के तहत संस्था अब तक लोकसेवा, संस्कृति, शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक विभूतियों को सम्मान प्रदान करती आ रही है।संस्था अब तक अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार रस्किन बॉड, लोक गायक नरेन्द्र सिंह नेगी, जागर सम्राट प्रीतम भरतवान, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी के पिता शिक्षविद्ध एवं साहित्यकार हरिदत्त भट्ट शैलेश समेत पर्यावरण, लोकसेवा एवं सामाजिक कार्यों के लिए सम्मान दे चुकी है। दून पुस्तकालय के प्रेक्षागृह में आयाजित समारोह में उक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक प्रदीप भण्डारी ने यहाँ अपने सम्बोधन में दी। उन्होनें बताया कि देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने कार्यभार संभालते ही दिन रात सक्रिय रहकर स्वास्थ्य केन्द्रों की कार्यशैली में सुधार करना हो. भिक्षावृत्ती मुक्ति अभियान चलाकर 132 बच्चों को भिक्षावृत्ती से हटाकर उन्हें स्कूल भेजकर नया जीवन प्रदान करना हो, फरियादी बुजर्गों और दिव्यांगों के लिए निःशुल्क सारथी वाहन सेवा शुरू करना हो. दशकों से पीड़ित अनेक भूमि मालिकों को उनका हक दिलाना, कई साल उत्पीडित एक विधवा के घर को बैंक के बंधन से 3 दिन में मुक्ति दिलाना हो, आईएसबीटी में असंभावी जलभराव का समाधान करना हो, सम्मान देकर राज्य निर्माण आन्दोलनकारियों के हक के लिए कार्य करना हो, वृद्ध महिला एवं सामान्य नागरिक को अभिवादन के साथ पहले सुनना आदि उनके ऐसे दर्जनों असाधारण निर्णय एव उत्कृष्ट कार्य आज जनता के सम्मुख हैं।

## मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित पुरुस्कार पाकर बच्चों के खिले चेहरे



प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता चंडोस/ भारत संवाद

अलीगढ।गभाना के जसराम सिंह इंटर कॉलेज में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सम्मान पाकर विद्याथीर्यों के चेहरे खिले अतिथियों के मोटिवेशनल स्पीच ने भी विद्यार्थी काफी प्रभावित हुए समारोह में दस वीं व बारहवीं के जिन छात्रों ने अस्सी व उससे अधिक प्रतिशत अंक प्राप्त किए उनको सम्मानित किया गया था। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राज नारायण शर्मा जी ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि धैर्य और लगन से ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव है विशिष्ठ अतिथि आगरा शिक्षक खंड प्रभारी अधिकारी पवन शर्मा ने भी बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य भुवनेश सिंह एवं स्टाफ ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया कार्यक्रम में पत्रकार सुमित ठाकुर, शीलू सिंह, कृष्णा सिंह, शैलेश कुमार, विपिन सिंह, दलवीर सिंह, सुरेश शर्मा, मुनेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, रामगोपाल शर्मा,अजय चौधरी, रामावतार, चंद्रवीर शर्मा आदि दर्जनों अतिथि मौजूद रहे।

# राज्यमंत्री ने त्रिवेणी का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान का किया शुभारम्भ

### वृक्षारोपण अभियान से जुडना सौभाग्य, हरियाली देखकर होती है खुशीः डीएम

भारत संवाद

सहारनपुर।राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग ब्रजेश सिंह द्वारा एक पेड माँ के नाम 2.0 वृक्षारोपण महाअभियान 2025 के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र, राधा विहार कालोनी नुमाईश कैम्प में त्रिवेणी (पीपल, बरगद, नीम) का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारम्भ किया गया। राज्य मंत्री, महापौर, विधायक नगर, नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, महानगर अध्यक्ष भाजपा, नगर आयुक्त एवं डीएफओ द्वारा सहजन भण्डारा के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी तथा छात्र-छात्राओं को सहजन के पौधों का वितरण किया गया।ब्रजेश सिंह ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा एक पेड़ माँ के नाम का आवाहन एवं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश को हरा-भरा करने के संकल्प को पूरा करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा रोपित कर उसकी सुरक्षा करे। उन्होने कहा कि भारतीय संस्कृति में माँ का स्थान सर्वोच्च रखा गया है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति माँ को समर्पित करते हुए कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं एवं उसकी देखभाल अपनी माँ की तरह करे। महापौर डॉ0 अजय कुमार सिंह ने कहा कि पौराणिक, आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व है। वृक्ष लगाने के साथ-साथ जरूरी है कि उसे संरक्षित भी किया जाए। उन्होने छात्रों से कहा कि पौधों की सेवा ऐसे करें जैसे अपनी माँ की करते है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने बच्चों के ऊपर ही 2047 के विकसित भारत का सपना देखा है।

विधायक सदर राजीव गुम्बर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश भर में वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 37 करोड़ पौधे रोपित किए जा रहे है। जिसका उद्देश्य आने वाली पीढियों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण प्रदान कर उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है।उन्होने कहा कि माता-पिता की तरह पेड़ों का भी ख्याल रखें। उन्होने आम जनमानस के साथ ही उपस्थित बच्चों से आवाहन किया कि सभी लोग अपने घर के प्रांगण में एक पौधा अवश्य लगाएं।

फास्ट ट्रैक

## आरटीओ ऑफिस और डीटीटीआई अयोध्या में हुआ वृक्षारोपण वृक्ष लगाकर और वाहनों को फिट रखकर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

अयोध्या (सू0वि0)- एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान 2025 के तहत आरटीओ कार्यालय अयोध्या और डीटीटीआई अयोध्या में वृक्षारोपण कर आरटीओ प्रशासन अयोध्या सुश्री ऋतु सिंह और अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने पर्यावरण रक्षा का संदेश दिया।इस अवसर पर अशोक, नीम, आम, अमरूद, सागौन, अर्जुन, पिलखन आदि के 1200 पेड़ अयोध्या जनपद में परिवहन विभाग द्वारा लगाये गये एवं मण्डल के सभी जिलों- अयोध्या, बाराबंकी, अम्बेडकर नगर, सुल्तानपुर, अमेठी में भी एआरटीओ से प्राप्त सूचना के अनुसार दिये गये लक्ष्य के अनुसार विभिन्न स्थानों पर कुल 4800 पौधे रोपित किये गये। आरटीओ अयोध्या सुश्री ऋतु सिंह ने इस अवसर पर संदेश दिया कि एक पेड माँ के नाम लगाकर हम धरती माँ द्वारा प्रदत्त प्राकृतिक संसाधनों के लिए और अपनी माँ के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं और जिस प्रकार एक माँ अपने बच्चे की देखभाल करती है वैसे ही सभी वृक्षों की हमें भी देखभाल कर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए जिससे ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण और जलवायु संतुलन जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सके। वाहनों से निकलने वाली कार्बन मोनो ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, पार्टिकुलेट मैटर आदि पर्यावरण को अशुद्ध करते हैं। अतः सदैव अपने वाहनों को फिट रख कर पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट बनवाना चाहिए।15 साल से पुरानी सरकारी और व्यावसायिक वाहनों व वैध आयु सीमा पूरे हो चुके वाहनों को भी स्क्रैप कराकर सड़क पर फिट वाहनों को ही चलाना चाहिए व स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दें।कार्यक्रम में आरटीओ प्रशासन के अलावा आरआई श्री राजीव कुमार, आरटीओ कार्यालय के कर्मचारीगण, वेंडर कर्मचारी आदि शामिल रहें।

## उदार और करूणा की मूर्ति है गुरूः योगगुरू भारतभूषण

सहारनपुर।गुरु प्रकाशक है, पथ प्रदर्शक है उदार और करुणा मूर्ति भी। उनके प्रति श्रद्धा गुरुपूर्णिमा के एक दिन तक सीमित न रह जाए, ये अस्तित्व से जुड़ी कहानी है।व्यासपूर्णिमा उत्सव से पहले मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान के शिष्यों को ऑन लाइन उपदेश करते हुए योगगुरु स्वामी भारत भूषण ने कहा कि मूल से कटने के बाद वृक्ष में भी जीवन कहां रह जाता है ? गुरु हमे स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपना धर्म निभाने के लिए तैयार करता है।सच्चे शिष्य को ष्कोऊ नृप होय हमहु का हानिष्सोचने के बजाय सामाजिक और राष्ट्रीय ऋण से मुक्त होने के लिए भी सक्रिय होने में हित है।उसे अंतमुर्खी होकर स्वयं को साधना और सशक्त बनाना और उस शक्ति से समाज और राष्ट्र को भी संवारते हुए इससे भी उऋण होना है। हमे आकार देने में समाज और राष्ट्र का भी कम बड़ा योगदान नहीं है। इसीलिए ऋषि परंपरा में वेदों ने ष्वयम राष्ट्रे जाग्रयाम पुरोहिताष्जैसे संकल्प लेने और राष्ट्रीय प्रार्थना मंत्र आ ब्रह्मन को ऋग्वेद में स्थान दिया है। जिम्मेदारियों से मुक्त होने और विमुख होने में बड़ा अंतर है ये शिष्यों को समझना होगा।स्वामी भारत भूषण ने कहा कि गुरु को लेकर भ्रम न पालें। गुरु हमारे संकट ओढ़ता नहीं, हमे संकट से बचाता और उबारता है।कर्म फल से हम मुक्त नहीं हो सकते ! कोई भी नहीं, गुरु भी नहीं ! वह तो हमे स्वयं ही भोगना होता है। आग में हाथ डालने पर हाथ तो मेरा ही जलेगा ना।कत्र्तव्यम तु भोक्तव्यम कृत कर्म शुभाशुभम। उन्होंने कहा कि गुरु ईश्वर से भी बढ़कर होता है लेकिन ध्यान रहे वह ईश्वर नहीं ! गुरु को प्रथम वंद्य इसलिए माना गया कि उससे ही ईश्वरीय ज्ञान और उसे पाने का मार्ग मिलता है, किंतु वह भी पाना हमे स्वयं अपनी ऊर्जा से ही होगा। संस्थान में गुरुपूर्णिमा उत्सव कल सवेरे नौ बजे से होगा।

## शहर की सड़कों पर अतिक्रमण गंदगी करना पड़ा भारी- नगर निगम ने जुर्माना किया वसूल

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़। नगरीय क्षेत्र की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर शहर की प्रमुख सड़कों से अतिक्रमण हटाने गन्दगी करने वालों पर सख़्त कार्रवाई करने के क्रम में नगर निगम प्रवर्तन दल द्वारा सभी जोन में प्रतिदिन मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटाने के साथ प्रतिबंधित प्लास्टिक और गंदगी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने का अभियान चलाया जा रहा है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर मंगलवार को नगर निगम अलीगढ़ द्वारा अतिक्रमण प्रभारी उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह के आदेश के क्रम में जोनल अधिकारी जोन 2, बेचन प्रसाद सिंह व सूबेदार ठाकुर एमपी सिंह के नेतृत्व में क्वार्सी चौराहे से पीएसी तक सड़क फुटपाथ नाले के ऊपर से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान नगर निगम ने सड़क पर गंदगी अतिक्रमण व पॉलीथिन इस्तेमाल करने वालों पर जुमार्ने की कार्रवाई करते हुए 10 केस के सापेक्ष 10500=00 रुपए वसूल किए। अतिक्रमण के दौरान कई जगह अभियान का विरोध के चलते कुछ अतिक्रमण करने वालों से जुमार्ने को लेकर बहस बाजी हुई।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा मुख्य मार्गो को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अलीगढ़ नगर निगम द्वारा निरंतर अभियान चलाया जा रहा है सभी अतिक्रमण कताओं से अपील की जाती है स्वयं अतिक्रमण हटा ले अन्यथा नगर निगम सामान जब्त करने के साथ-साथ दोबारा अतिक्रमण करने पर वैधानिक कार्रवाई करेगा। अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने कहा कि नगर निगम स्तर से प्रभावी कार्रवाई प्रतिदिन सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश सभी जोनल अधिकारियों प्रवर्तन प्रभारी और प्रवर्तन दल को दिए हैं।

## महापौर और नगर आयुक्त के नेतृत्व में कोल विधायक के संग वृक्षारोपण अभियान का आगाज

भारत संवाद

नगर निगम में वृक्षारोपण कार्यक्रम से कार्बन क्रेडिट योजना का व्यापाक प्रचार प्रसार किया शुरू-महापौर नगर आयुक्त ने कार्बन क्रेडिट योजना के बताए फायदे

नगर निगम के एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में उमड़ा जन सैलाब-महापौर कोल विधायक नगर आयुक्त संग पार्षद अधिकारी कर्मचारियों ने लगाए अपनी मां के नाम एक पेड़

अलीगढ़ नगर निगम द्वारा वृक्षारोपण 2025 अभियान के अंतर्गत बुधवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूआत हर्षोल्लास एवं जन-भागीदारी के साथ की गई। महापौर श्री प्रशांत सिंघल,कोल विधायक अनिल पाराशर और नगर आयुक्त श्री प्रेम प्रकाश मीणा ने इस ऐतिहासिक अभियान का शुभारंभ दौलेरा निरपाल, मथुरा रोड स्थित वृक्षारोपण स्थल पर किया, जहाँ 5000 से अधिक पौधों का रोपण किया गया।

अनूठी पहल

अभियान की सबसे अनूठी पहल रही झ एक पेड़ माँ के नाम जिसके अंतर्गत महापौर प्रशांत सिंघल ने अपनी माता श्रीमती सुनीता विधायक कोल अनिल पराशर ने अपनी माता श्रीमती शारदा देवी के नाम एक पौधा रोपित किया, वहीं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अपनी माता श्रीमती सुरुपि देवी अपर नगर आयुक्त राकेश यादव ने अपनी माता महराजी यादव के नाम पेड़ लगाकर एक मार्मिक उदाहरण प्रस्तुत किया।

वृक्षारोपण लक्ष्य और भू-स्थान विवरण

नगर निगम अलीगढ़ को वृक्षारोपण 2025 अभियान के तहत कुल 22,425 पौधों के रोपण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें से बुधवार को प्रथम चरण में 5000 पौधे दौलेरा निरपाल मथुरा रोड क्षेत्र में रोपित किए गए।

## उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री वर्तमान विधायक ने नगर पंचायत व तहसील प्रांगण में किया पौधरोपण

गोपल शर्मा संवादाता गभाना/ भारत संवाद

अलीगढ। आज गभाना तहसील और नगर पंचायत में उप्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वर्तमान विधायक जयवीर सिंह ने एक पेड़ मां के नाम -2.0 अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया विधायक ने कहा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप नया उत्तर प्रदेश पर्यावरण संरक्षण को आगे बड़ाने में सफल हुआ है।पेड़ ही धरती की धरोहर हैं धारा पर कटन से मौसम व पर्यावरण का संतुलन दिनों दिन विगड़ता जारहा है हमें अधिक से अधिक ब्रक्ष लगाने चाहिए तभी वातावरण अनकुल होगा. वृक्ष लगा कर बड़ा होने तक कम से कम दो बर्ष तक उसकी देख भाल भी हमें करनी है।उपजिलाधिकारी हरिश्चंद्र, नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी रेनू सिंह एवं तहसीलदार कृष्णगोपाल ने भी अपने नाम से एक एक पौधा लगाया एसडीएम ने लोगों से अधिक पौधे लगाने को कहा और पौधारोपण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है जिस प्रकार से पर्यावरण असंतुलन और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है ऐसे में अधिक वृक्ष लगाना हम सबकी जिम्मेदारी बनती है इस विराट अभियान का हिस्सा जिला पंचायत सदस्य संजू प्रधान,नगर पंचायत के चेयरमेन अभिमन्यु राज सिंह,अनिल कुमार,हरेंद्र सिंह,सुमित ठाकुर ,रजत ठाकुर , कालीचरण माहौर,प्रमोद बाल्यान,नरेंद्र शर्मा सभासद,राजेश गोयल,दिलीप शर्मा,सतपाल सुमन,भगत सिंह चौहान,जीतू शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे

## 30 सितम्बर तक 2025 तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

- न्यायालयों में लम्बित विभिन्न वादों का आपसी सुलह-समझौते से कराएं निस्तारण

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के माध्यम से अवगत कराया गया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के तत्वावधान में संपूर्ण राष्ट्र में और माननीय जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम कुमार के दिशा-निर्देशन में दीवानी न्यायालय अलीगढ़, परिवार न्यायालय, वाणिज्यक न्यायालय, मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग तथा वाह्य स्थित न्यायालयों में लम्बित मामलों का निस्तारण मध्यस्थता एवं सुलह केन्द्र अलीगढ़ के माध्यम से कराने के इच्छुक हो उनके लिये 30 सितम्बर तक 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियानह्व चलाया जा रहा है।

## भरम सब दूर होगा

समय जब पूर होगा,
नशा काफूर होगा।

गिरेगा घट अहं का,
वो चकनाचूर होगा।

चमक! पर, याद भी रख!
यहीं बेनूर होगा।

घटेगी कीमत ऐसी,
हवाले घूर होगा।

कहाँ का शूर है तू,
भरम सब दूर होगा।



घनश्याम अवस्थी, गोण्डा।

## आरएमपीएसयू में परीक्षा के रजिस्ट्रेशन शुरू-कल होगा वृक्षारोपण

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद



अलीगढ।राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के मिडिया प्रभारी गगन प्रताप सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विश्वविद्यालय में एलएलएम व एमएससी एग्रोनॉमी के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन आरंभ हो गए हैं।जिसका लिंक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।वह सभी छात्र जिन्होंने एलएलएम व एमएससी एग्रोनॉमी के लिए पंजीकरण किया है उन्हें प्रवेश परीक्षा में बैठने ? के लिए अलग से पंजीकरण करना अनिवार्य है जिसके लिए रुपए 700 जनरल/ओबीसी तथा रुपए 500 एससी/एसटी/दिव्यांग फीस देय है।विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए 5 मई से समर्थ पोर्टल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं जिसकी अंतिम तिथि 10 जुलाई रखी गई है।विश्वविद्यालय ने स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए अपनी पहली मेरिट लिस्ट 1 जुलाई को ही जारी कर दी थी जिसकी एडमिशन प्रक्रिया जारी है और अब तक 300 से अधिक एडमिशन स्नातक कक्षाओं के लिए हो चुके हैं।कल बुधवार को उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा।कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र बहादुर सिंह,कुल सचिव वी के सिंह,परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार और वित्त अधिकारी वृक्षारोपण का शुभारंभ करेंगे।

## श्रद्धा और सेवा का अद्वितीय उदाहरण है श्री कैलाश धाम शिव कावड़ सेवा शिविरः ललित पोपली

सहारनपुर। कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा को समर्पित श्री कैलाश धाम शिव कावड़ सेवा शिविर एक बार फिर भव्य स्वरूप में सजने को तैयार है। देहरादून रोड, शिवालिक गार्डन, नोगजा पीर के आगे स्थित यह सेवा धाम 12 जुलाई से शिवभक्तों के लिए अपने द्वार खोल देगा। यहां हर वर्ष की भांति इस बार भी कांवड़ियों के लिए सेवा, भक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। शिविर के आयोजक व सेवाभावी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ दिन-रात तैयारियों में जुटे हैं।कांवड़ यात्रियों के ठहरने, खाने-पीने, चिकित्सा व विश्राम की उत्तम व्यवस्था बेहद पवित्र भाव से की गई है। यहां भोलों को घर जैसा स्नेह और परिवार जैसा अपनापन मिलता है।


## आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **श्रावण मास में काँवड़ मेला** के अवसर पर **दिनांक 11.07.2025 से 24.07.2025 तक** के लिये **रायवाला/मोतीचूर/ज्वालापुर स्टेशनों** पर निन्मलिखित रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

| गाड़ी सं. | स्टेशन से - स्टेशन तक | आवृत्ति | स्टेशन पर ठहराव | ठहराव का समय आगमन | ठहराव का समय प्रस्थान |
|---|---|---|---|---|---|
| 14113 | सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस | प्रतिदिन | रायवाला | 11:14 | 11:16 |
| | | | मोतीचूर | 11:04 | 11:06 |
| | | | ज्वालापुर | 10:43 | 10:45 |
| 14309 | उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस | सप्ताह में दो दिन | रायवाला | 17:35 | 17:37 |
| | | | मोतीचूर | 17:00 | 17:02 |
| | | | ज्वालापुर | 15:53 | 15:55 |
| 14317 | इन्दौर-देहरादून एक्सप्रेस | सप्ताह में दो दिन | रायवाला | 17:35 | 17:37 |
| | | | मोतीचूर | 17:00 | 17:02 |
| | | | ज्वालापुर | 15:53 | 15:55 |
| 19565 | ओखा-देहरादून एक्सप्रेस | साप्ताहिक | रायवाला | 17:35 | 17:37 |
| | | | मोतीचूर | 17:00 | 17:02 |
| | | | ज्वालापुर | 15:53 | 15:55 |
| 14114 | देहरादून-सूबेदारगंज एक्सप्रेस | प्रतिदिन | रायवाला | 14:15 | 14:17 |
| | | | मोतीचूर | 14:34 | 14:36 |
| | | | ज्वालापुर | 15:15 | 15:17 |
| 14310 | देहरादून-उज्जैन एक्सप्रेस | सप्ताह में दो दिन | रायवाला | 07:08 | 07:10 |
| | | | मोतीचूर | 07:24 | 07:26 |
| | | | ज्वालापुर | 07:52 | 07:54 |
| 14318 | देहरादून-इन्दौर एक्सप्रेस | सप्ताह में दो दिन | रायवाला | 07:08 | 07:10 |
| | | | मोतीचूर | 07:24 | 07:26 |
| | | | ज्वालापुर | 07:52 | 07:54 |

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1199/25(A)



## उत्तर मध्य रेलवे

**ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः** 25/31 **दिनांकः** 08.07.2025

**ई-प्रापण निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | निविदा खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 64255168 | क्युमिन्स डीजल इंजन | 16 नग | 04.08.2025 |
| 2 | 38253041 | सेट ऑफ 11" बोगी मॉउन्टेड ब्रेक सिलेंडर | 76 सेट | 05.08.2025 |

**नोटः** उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। **1191/25(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in



## उत्तर मध्य रेलवे

**निविदा सूचना सं. 3920252026** **निविदा सूचना** **दिनांक- 08.07.2025**

**मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज** द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **06.08.2025** को **13.30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

**कार्यों का विवरणः** सहायक मंडल अभियंता/उत्तर मध्य रेलवे/फतेहपुर के अधीन अधिकारी विश्राम गृह के नवीनीकरण का कार्य।

| निविदा नं. | अनुमानित लागत | बयाने की रकम | कार्य समापन की अवधि |
|---|---|---|---|
| 119 | ₹65,76,470.90 | ₹1,31,500.00 | 06 (छः) माह |

**निविदा खुलने की तिथिः 06.08.2025, सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः** कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य।

**नोटः** 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेगें। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर समय **13.30** बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि **06.08.2025** तक उपलब्ध है। **3.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको **I.T. Act 2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **4.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **5.** निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। **6.** माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होगें। **7.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। **8.** निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर भी अपलोड कर दिया गया है। **9.** बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। **10.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **11.** आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि **06.08.2025** को समय **13.30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **12.** निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। **1195/25 FA**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

# पर्यावरण प्रेमी नीली चिड़िया है वर्डिटर फ्लाईकैचर

पर्यावरण प्रेमी मोरगला पतेना या वर्डिटर फ्लाईकैचर उन पंछियों में से एक हैं जो पूरे भारत-वर्ष में पाई जाती हैं। ये पंछी हर साल सर्दियों में हिमालय की गोद से निकल कर दक्षिण भारत चले जाते हैं और फिर गर्मियां आते ही लौट आते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें।

## ऊंची डाली पर ही बैठती है

गहरे नीले रंग के पंखों से लदी यह चिड़िया अक्सर हवा में उड़ती हुई नीली गेंद की तरह प्रतीत होती है। आंख के पास काले भाग और स्लेटी-वेंट को छोड़कर, वयस्क नर पक्षी का शरीर गहरे नीले रंग का होता है। अक्सर यह पंछी ऊंची डाली और पेड़ की शीर्ष शाखाओं पर बैठे हुए दिख जाते हैं।

## भारत में बसना है पसंद

शीत ऋतु के शुरू होते ही यह पंछी भारत के उत्तरी इलाकों से निकल कर दक्षिण की और रवाना हो जाते हैं। उत्तर में दिल्ली, पंजाब से लेकर, दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, गुजरात से बंगाल तक सब जगह इस पछी को देखा जा चुका है। इनके खूबसूरत नीले रंगों का हर एक प्रकृति प्रेमी दीवाना है। यह कप के आकार का घोंसला बनाते हैं और इनके अंडों का रंग सफेद होता है, जिनके कुंद-अंत पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। मादा पंछी एक बार में 3 से 5 अंडे तक दे सकती है।

## खुराक में खाते हैं कीड़े-मकोड़े

पक्षी की कीड़े-मकोडे इनकी खुराक का मुख्य हिस्सा होते हैं। ये पंछी अक्सर उड़ते हुए कीड़े-इत्यादि को हवा में ही पकड़ कर खाते हैं। इस प्रजाति की संख्या काफी ज्यादा हैं. जिसकी वजह से इस प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) लाल सूची के अनुसार खतरे से बाहर वाली श्रेणी में रखा गया है। इनकी औसत उम्र 9 साल तक हो सकती हैं।

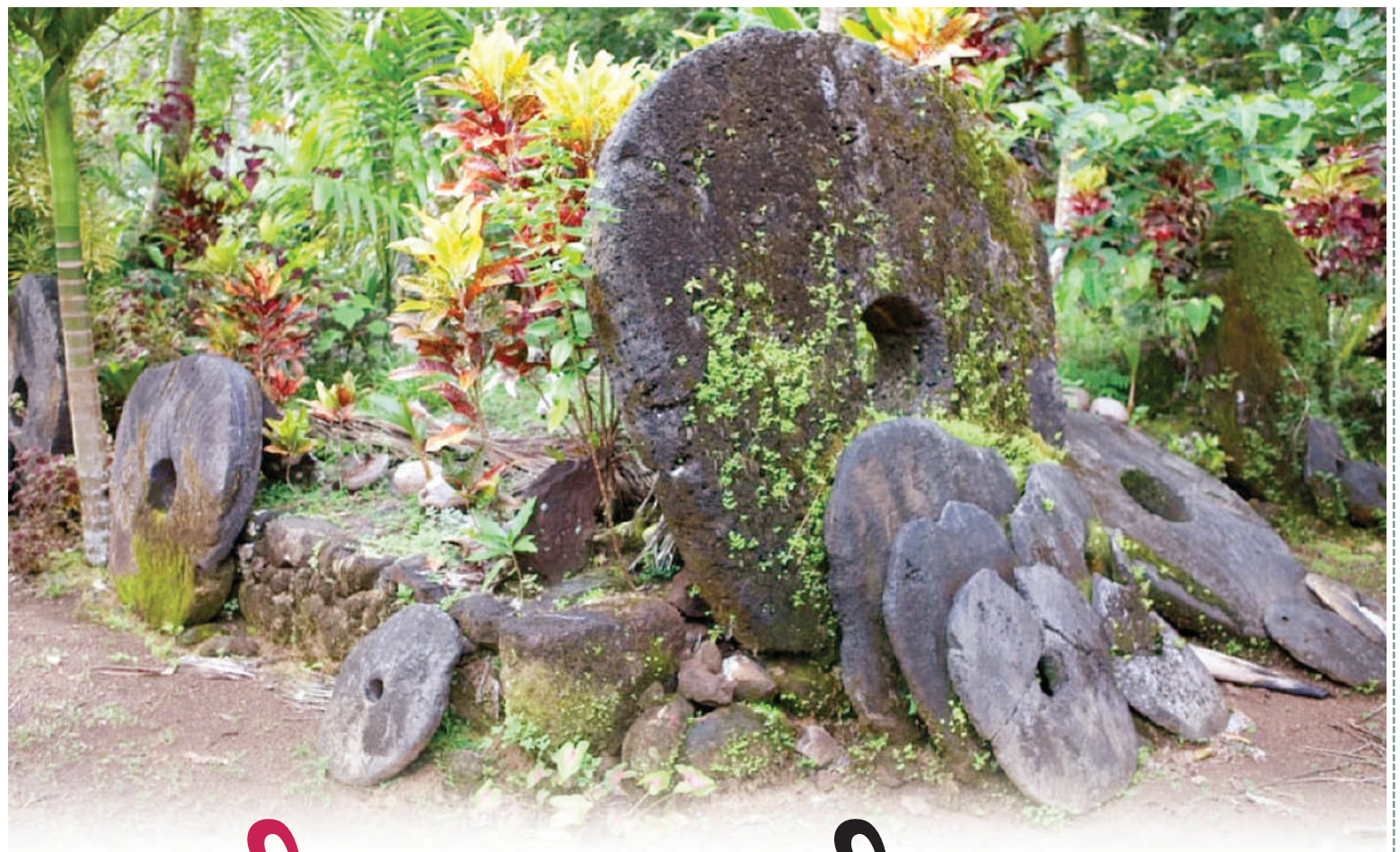

# यप द्वीप पर आज भी इस्तेमाल होते हैं पत्थर के सिक्के

**इंसान सदियों से करेंसी यानी मुद्रा का इस्तेमाल खरीद-फरोख्त और कारोबार के लिए करता आया है। एक दौर था जब महंगे रत्नों में कारोबार हुआ करता था। लोग मोती, कौड़ियां और दूसरे रत्न देकर चीजें खरीदा करते थे। फिर सिक्कों का चलन शुरू हुआ। सोने-चांदी, तांबे, कांसे और अल्यूमिनियम के सिक्के तमाम साम्राज्यों और सभ्यताओं में ढाले गए। सिक्कों के साथ ही नोटों का चलन भी शुरू हुआ। पर, क्या कभी आपने करेंसी के रूप में बड़े-बड़े पत्थरों के इस्तेमाल की बात सुनी है? नहीं न! तो, चलिए आज आप को ऐसी जगह की सैर पर ले चलते हैं, जहां की करेंसी पत्थर है और सदियों से ऐसा होता आ रहा है।**

इसके लिए आप को प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया इलाके में जाना पड़ेगा। यहां पर बहुत छोटे-छोटे जजीरे आबाद हैं। इन्हीं में से एक द्वीप है यप। ये छोटी सी जगह है, जहां कुल मिलाकर 11 हजार लोग रहते हैं। मगर इसकी शोहरत ऐसी है कि 11वीं सदी में मिस्र के एक राजा के हवाले से यप का जिक्र मिलता है। इसी तरह मशहूर यूरोपीय यात्री मार्को पोलो ने तेरहवीं सदी में लिखी अपनी एक किताब में इसका जिक्र किया है। इन दोनों ही मिसालों में कहीं भी यप का नाम नही लिखा है। मगर दोनों साहित्यों में एक ऐसी जगह का जिक्र है, जहां की करेंसी पत्थर हुआ करती थी।

जब आप यप पहुंचेंगे, तो आपका सामना घने जंगलों, दलदले बागों और बेहद पुराने दौर के हालात से होगा। दिन भर में सिर्फ एक फ्लाइट है, जो यप के छोटे से हवाई अड्डे पर उतरती है। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही आप को कतार से लगे छोटे-बड़े ढले हुए पत्थर दिखेंगे। इनके बीच मे छेद होता है, ताकि इन्हें कहीं लाने-ले जाने में सहूलियत हो। पूरे यप द्वीप पर ऐसे छोटे-बड़े पत्थर जहां-तहां पड़े दिख जाते हैं।

यप द्वीप की मिट्टी दलदली है। यहां चट्टानें नहीं हैं। फिर भी पत्थर की इस करेंसी का चलन यहां सदियों से है। किसी को नहीं पता कि इसकी शुरुआत कब हुई थी। लेकिन, स्थानीय लोग बताते हैं कि आज से सैकड़ों साल पहले यप के बाशिंदे डोंगियों में बैठकर चार सौ किलोमीटर दूर स्थित पलाऊ द्वीप जाया करते थे। वहां से वो चट्टानें

काटकर ये पत्थर तराशा करते थे। फिर इन्हें नावों में लाद कर यहां यप लाया जाता था। इन्हें राई कहा जाता है। पिछली कई सदियों से इन पत्थरों को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। पहले यप के आदिवासी इन पत्थरों को बड़े बेढंगे तरीके से काटकर यहां लाते थे। फिर हथियारों के विकास से पत्थरों को सुघड़ तरीके से ढालकर यहां लाया जाने लगा।

उन्नीसवीं सदी में जब यप पर स्पेन का कब्जा हो गया, तब भी यहां पर पत्थरों से कारोबार थमा नहीं। जब पलाऊ जाने वाले नाविक अपने साथ ढले हुए पत्थर लाते थे, तो वो इन्हें यप के बड़े सरदारों को सौंप देते थे। फिर वो सरदार इन पत्थरों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम देकर लाने वाले को सौंप देते थे। पांच में से दो पत्थर ये सरदार खुद शुरुआत में पत्थरों की कीमत सीपियों की संख्या से तय होती थी क्योंकि पत्थरों से पहले सीपी को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जैसे एक पत्थर के बदले पचास सीपी दी जाती थीं। आज फुटकर करेंसी के तौर पर यप में अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। लेकिन, इन पत्थरों की यप समाज में अपनी अहमियत बरकरार है। आज हर पत्थर का इतिहास है। उससे जुड़ा कोई न कोई किस्सा है। किसी भी परिवार के पास ये करेंसी होना बहुत सम्मान की बात मानी जाती है।

आज इन पत्थरों की करेंसी का इस्तेमाल रोजाना के लेन-देन में नहीं होता। बल्कि समाज में इसे कभी माफीनामे और कभी शादी-संबंध को मजबूत करने के लिए दिया जाता है। पत्थर के इन सिक्कों का आकार सात सेंटीमीटर से लेकर 3.6 मीटर तक होता है। इन सिक्कों का मोल इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस काम में इस्तेमाल होता है और किसको दिया जाता है। कबीले के सरदार, आने वाली नस्लों को पत्थर के हर सिक्के का इतिहास बताते हैं।

यहां पिछले 200 सालों से पत्थर की इन करेंसी का इतिहास आने वाली नस्लों को जबानी याद कराया जा रहा है। अब पत्थर के इन सिक्कों को एक म्यूजियम में रखा गया है। जहां टूटे-फूटे पत्थर की इन करेंसी का भी इतिहास दर्ज किया गया है। ये किस गांव के हैं, इनका किस परिवार से नाता है।

अब भी कुछ नए पत्थर के सिक्के ढाले जा रहे हैं। मगर अब इनकी तादाद बहुत कम हो गई है। दिलचस्प बात ये है कि इन बहुमूल्य सिक्कों को चुराए जाने का डर नहीं है। जैसा कि नोटों या सिक्कों के साथ हो सकता है। ये इतने बड़े हैं और सब को इनके बारे में मालूम है, तो कोई इन्हें चुराकर ले भी कहां जा सकता है। आज पत्थर की ये करेंसी पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के तौर पर नई नस्ल को सौंपी जा रही है।

# ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में पाई जाती हैं सबसे ज्यादा जहरीली मकड़ियां

**हमारी पृथ्वी पर ऐसे कई जीव पाए जाते हैं, जिनमें पाए जाने वाला जहर इंसानों को पलभर में मौत की नींद सुला सकता है. इन जीवों के बारे में सोचते ही आपके दिमाग में सांप या बिच्छू का ख्याल आया होगा, लेकिन आज हम आपको दुनिया की बेहद ही खतरनाक मकड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं. जिनके काटे जाने के बाद मौत को टालना मुश्किल हो जाती है.**

इस मकड़ी का नाम फनेल वेब स्पाइडर है। यह दुनिया की खतरनाक मकड़ियों में शामिल है। अगर ये किसी को काट ले तो उसकी 15 मिनट में मौत हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया में इसके काटने से कई लोगों की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों का कहना इस मकड़ी के जहर की काट के लिए कोई असरदार दवा भी नहीं है। इस मकड़ी के काटते ही व्यक्ति का उसकी मांसपेशियों पर नियंत्रण खत्म हो जाता है और व्यक्ति की मौत पलभर में हो जाती है।

**सिडनी फनल वेब** - ये दुनिया की दूसरी सबसे खतरनाक मकड़ी है. इसका नाम दुनिया की सबसे घातक मकड़ियों में शुमार किया जाता है. इसके शरीर का आकार एक फनल की तरह होता है, जिस कारण इसे सिडनी फनल कहा जाता है. ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाई जाने वाली यह मकड़ियां आग लग जाने की वजह से जमीन के अंदर छिप गई थीं। लेकिन तेज बारिश के बाद बाढ़ आई तो ये बाहर आ गईं। इसके बाद ये मकड़ियां आबादी वाले इलाकों में पहुंच गईं और कई शहरों में अपना ठिकाना बना लिया। अगर यह मकड़ी किसी को काट लेती है, तो उसके शरीर पर लाल रंग का निशान बन जाता है और चकते पड़ जाते हैं। उसको तेज दर्द होता है और लगातार उल्टियां होने लगती हैं। इसके अलावा इसान का ब्लड प्रेशर भी काफी बढ़ जाता है। मकड़ी के काटने के बाद व्यक्ति भयानक दर्द से छटपटाने लगता है और 15 मिनट के अंदर उसकी मौत हो जाती है। बताया जाता है कि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सबसे ज्यादा जहरीली मकड़िया पाई जाती हैं। वैज्ञानिक इस मकड़ी के जहर को निष्प्रभावी बनाने की दवा बनाने में जुटे हैं और उनको जल्द ही इसमें कामयाबी मिल सकती है। इसके अलावा भी दुनिया में कई जहरीली मकड़ियां पाई जाती हैं जिनके काटने से किसी की भी मौत हो सकती है।

# दुनिया के अजीबों गरीब टैक्स

**इस दुनिया में आए हैं, तो टैक्स तो देना पड़ेगा. चाय, बिस्कुट या हो कोई महंगी चीज़ आप हर चीज़ के लिए टैक्स देते हैं. अगर सैलरी अधिक है तो उनको तो देना ही देना है.**

हम सब जानते हैं कि इनके लिए टैक्स देना पड़ता है. लेकिन कुछ-कुछ टैक्स का मतलब समझ पाना मानो असंभव सा लगता है. दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें है, जहां सरकार बेफ़िज़ूल की चीज़ों पर टैक्स लगा कर लोगों से पैसे ले रही है सरकारें. ख़ास बात ये है कि इन टैक्स के नाम पढ़कर शायद आप मुस्कुराओ या कंफ्यूज़ हो जाओ. चलिए इसी क्रम में दुनिया के कोने-कोने से अजीबों गरीब टैक्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो अगर नहीं होते, टैक्स जैसी चीज़ मज़ेदार नहीं लगती. नज़र डालते हैं इन अजीबो गरीब टैक्स की लिस्ट पर

## टैटू टैक्स

क्या आपने कभी सुना है की टैटू बनवाने के लिए भी टैक्स देना ज़रूरी होता है? लोग टैटू अपने शरीर पर कुछ यादों को छपवाने के लिए बनवाते हैं. लेकिन इसके लिए भी उन्हें एक कीमत चुकानी पड़ती है. संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित अर्कांसस 2002 से विभिन्न टैटू स्टूडियो से सेल्स टैक्स लेता है.

## बैचलर टैक्स

क्या मतलब कोई अपनी मर्ज़ी से अकेले भी नहीं रह सकता है क्या? ये टैक्स संयुक्त राज्य अमेरिका के मिसौरी में लिया जाता है. यहां 21 साल से 50 साल के बैचलर पुरुषों से 1 डॉलर टैक्स लिया जाता है.

## कद्दू टैक्स

कद्दू सुनते ही दिमाग में हैलोवीन का त्योहार आ जाता है. जहां लोग खूब सजते और संवरते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में कद्दू एक कर-मुक्त खाना है, लेकिन अगर इसे पेंट, वार्निश या काटकर और सजावट के रूप में बेचा जाता है, तो इसपर सेल्स टैक्स लगता है.

## खिड़की टैक्स

इस टैक्स को प्रॉपर्टी टैक्स भी कहा जाता है. इस टैक्स को लगाने का एक ही उद्देश्य था. इस टैक्स में लोगों के घरों में कितनी खिड़कियां हैं, उसपर लगता था. ताकि अमीर और गरीब का पता लगाया जा सके. लेकिन बाद में इन देशों द्वारा इस तरह के करधन के ख़िलाफ़ बहुत से आंदोलन के कारण इसे ख़त्म कर दिया गया था.

## टॉयलेट फ्लश टैक्स

पानी के ख़र्च पर नज़र रखने के लिए ये टैक्स मैरीलैंड में लगाया था. जहां 5 डॉलर प्रति माह का टैक्स लगता है. जो बाद में मैरीलैंड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम में जाता है.

## ब्लूबेरी टैक्स

ब्लूबेरी टैक्स फलों की अधिक कटाई को रोकने के लिए लगाया जाता है. जो बदले में वनस्पति को पनपने में मदद करता है. यूनाइटेड स्टेट्स के मेन में काफ़ी ज़्यादा है. इसीलिए मेन में, ब्लूबेरी के उत्पादन पर प्रति पाउंड डेढ़ पैसा टैक्स लगाया जाता है.

## प्लेइंग कार्ड टैक्स

एक कारण है कि अलबामा अपने कैसीनो के लिए क्यों नहीं जाना जाता है और इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स है. अलबामा संघ का एकमात्र राज्य है जिसने राज्य के भीतर ख़रीदे गए कार्डों के डेक के लिए 10% प्लेइंग कार्ड टैक्स चार्ज करता है.

## कैंडी टैक्स

कोई टॉफ़ी और कैंडी पर कैसे टैक्स लगा सकता है? लेकिन Chicago में ऐसा होता है. कैंडी अगर मैदा या आटा से बनी हो, तो उसपर साधारण टैक्स लगता है. वहीं अगर कैंडी बिना मैदा के बनती है, तो उसपर 5.25% का टैक्स लगाया जाता है.

## फैट टैक्स

भारत के केरल राज्य में 14.5% का टैक्स लिया जाता है. ताकि लोग कम मात्रा में जंक खाना खाएं और अपने स्वास्थ्य के ऊपर ध्यान दें.

## एंटरटेनमेंट टैक्स

फैट टैक्स ही नहीं, बल्कि भारत में एंटरटेनमेंट टैक्स भी लिया जाता है. हां, एक स्पेशल तरह का टैक्स है, जो स्पोर्ट्स इवेंट, मूवीज़ और थिएटर शो पर लगता है जो हर एक राज्य में अलग-अलग होता है.

# दावा-हसीना ने प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आदेश दिया था

## तख्तापलट से पहले अफसर से बातचीत का ऑडियो लीक, बोलीं- जहां दिखे, गोली मार दो

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का एक अज्ञात सरकारी अफसर से बातचीत का ऑडियो लीक हो गया है। बीबीसी ने ऑडियो की पुष्टि करते हुए दावा किया है कि पिछले साल तख्तापलट से पहले पूर्व पीएम ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई का आदेश दिया था। फोन कॉल पर शेख हसीना ने कहा, 'मैंने उन सभी को आज रात गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। सबको कह दिया गया है, जहां भी आपको वे (प्रदर्शनकारी) दिखें, उन्हें पकड़ लीजिए। मैंने अब खुला आदेश जारी कर दिया है। अब वे घातक हथियारों का उपयोग करेंगे। वे जहां भी दिखेंगे, उनको गोली मार देंगे।' बीबीसी के मुताबिक, यह ऑडियो 18 जुलाई, 2024 को ढाका में बांग्लादेशी पीएम के आवास से की गई एक फोन कॉल के दौरान रिकॉर्ड किया गया था। 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ था। हसीना का ऑडियो इस साल मार्च में लीक हुआ। बीबीसी ने पुलिस दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि इस कॉल के बाद, ढाका में मिलिट्री-ग्रेड राइफलों का

इस्तेमाल किया गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 1,400 लोग मारे गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री पर प्रदर्शनों के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध का भी आरोप है। पीएम पद छोड़कर भारत भाग गई थीं हसीना बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कोटा सिस्टम को लेकर छात्रों का बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था। 5 अगस्त, 2024 को भीड़ ने ढाका में पीएम आवास पर हमला कर दिया। हालांकि, इससे पहले ही हसीना ने पद और देश, दोनों छोड़ दिया। वे हेलिकॉप्टर से भागकर भारत आ गई थीं। हसीना पर विद्रोह के दौरान सामूहिक हत्याओं का आरोप है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल (आईटीसी) में उनके खिलाफ मुकदमा चल रहा है। ट्रिब्यूनल ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और इस साल 12 फरवरी तक पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत की अवमानना मामले में हसीना को 6 महीने जेल की सजा हालांकि, हसीना अभी भारत में ही हैं। 2 जुलाई को आईटीसी ने अदालत की अवमानना के मामले में हसीना को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई। बांग्ला अखबार द डेली स्टार के मुताबिक, ट्रिब्यूनल ने हसीना और एक स्थानीय नेता शकील बुलबुल के बीच हुई फोन बातचीत की जांच करने के बाद यह फैसला सुनाया। यह बातचीत पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी और कई अखबारों ने भी इसे छापा था। इस कथित ऑडियो क्लिप में शेख हसीना को यह कहते सुना गया कि उनके खिलाफ 227 मुकदमे दर्ज हैं, इसलिए उन्हें 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। हसीना के पीएम पद छोड़ने के बाद अधिकारियों से फोन पर बातचीत के उनके कई ऑडियो लीक हुए हैं। हालांकि, ताजा लीक ऑडियो टेप उनके खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा सबूत है कि उन्होंने प्रदर्शनकारियों के देखते ही सीधे गोली मारने के आदेश दिए थे। बांग्लादेश ने भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की अपील की बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। बांग्लादेश सरकार ने जुलाई में हुई हत्याओं की वजह से शेख हसीना का पासपोर्ट भी रद्द कर दिया है। बांग्लादेश भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की अपील भी कर चुका है। हालांकि भारत सरकार उनका वीजा बढ़ा चुकी है, जिससे यह साफ हो गया कि उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट नहीं किया जाएगा।

# तालिबान नेताओं के खिलाफ आईसीसी ने गिरफ्तारी वारंट जारी किए

## महिलाओं पर अत्याचार के आरोप; सुप्रीम लीडर अखुंदजादा और चीफ जस्टिस हक्कानी का नाम शामिल

एजेंसी

हेग/काबुल, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 8 जुलाई को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबातुल्लाह अखुंदजादा और अफगानिस्तान के चीफ जस्टिस अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन दोनों पर अफगान महिलाओं, लड़कियों और तालिबान की कठोर जेंडर नीतियों का विरोध करने वालों पर अत्याचार करने का आरोप है। ये वारंट मानवता के खिलाफ अपराधों के तहत जारी किए गए हैं। यह पहली बार है जब आईसीसी ने तालिबान के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ ऐसा कोई कानूनी कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि तालिबान ने

विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं को निशाना बनाया। उन्हें शिक्षा, आवाजाही, निजता और धार्मिक अभिव्यक्ति जैसे बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया। वारंट के मुताबिक इन महिलाओं और लड़कियों का समर्थन या तालिबान की नीतियों का विरोध करने वाले लोगों को भी सजा दी गई। आईसीसी ने साफ किया कि ह्यजेंडर आधारित उत्पीड़नह्न केवल हिंसा नहीं, बल्कि सरकारी नीतियों और सामाजिक नियमों के जरिए किया गया वह व्यवस्थित उत्पीड़न भी है। यह महिलाओं को बराबरी से वंचित करता है। हालांकि, गिरफ्तारी वारंट को फिलहाल सील रखा गया है ताकि पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा बनी रहे, लेकिन कोर्ट ने इसकी जानकारी सार्वजनिक करना जरूरी समझा ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों को रोका जा सके। कोर्ट ने कहा कि यह कार्रवाई आईसीसी के उस उद्देश्य का हिस्सा है, जिसमें कमजोर तबकों के खिलाफ हो रहे गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन को रोका जाए। आईसीसी ने यह वारंट जारी तो कर दिया है, लेकिन उसके पास संदिग्धों की गिरफ्तारी की शक्तियां नहीं हैं। वह सिर्फ उन देशों में अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है, जिन्होंने इस कोर्ट की स्थापना करने वाले समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। तालिबान ने पिछले साल महिलाओं के लिए एक नया फरमान जारी किया था। इसके मुताबिक महिलाओं के लिए तेज आवाज में इबादत करने पर रोक लगा दी गई। तालिबान के मंत्री मोहम्मद खालिद हनाफी ने यह आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कुरान की आयतें इतनी धीमी आवाज में पढ़नी होंगी कि उनके पास मौजूद दूसरी महिलाओं को यह सुनाई न दे।

# यूक्रेन को हथियार सप्लाई रोके जाने से ट्रम्प नाराज

## पेंटागन ने राष्ट्रपति को इसकी जानकारी नहीं दी थी; सप्लाई दोबारा शुरू

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई पर रोक लगाने नाराजगी जताई है। रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने ट्रम्प को बताए बिना सप्लाई पर रोक लगा दी थी। इस फैसले से हैरान ट्रम्प ने सोमवार को यूक्रेन को दोबारा हथियार भेजने का आदेश दे दिया है। पिछले हफ्ते पेंटागन ने ऐलान किया था कि अमेरिका यूक्रेन को कुछ जरूरी हथियार जैसे एयर डिफेंस मिसाइलें, प्रिसिशन गाइडेड आर्टिलरी, पैट्रियट और हेलफायर मिसाइलें देना फिलहाल रोक रहा है। इसके पीछे कारण बताया गया कि अमेरिका के अपने स्टॉक में इन हथियारों की कमी हो गई है। जिस पर अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने साइन किए थे। लेकिन ट्रम्प को इस फैसले की जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने इसे व्हाइट हाउस से बात किए बिना लिया गया कदम बताया। ट्रम्प ने कहा कि वो युद्ध जल्दी खत्म करना चाहते हैं लेकिन पुतिन की वजह से शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ रही है। ट्रम्प ने रूस पर तेल उद्योग से जुड़ी पाबंदियों को लेकर चेतावनी दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि वे एक प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं जिसके तहत रूसी तेल खरीद रहे भारत और चीन जैसे देशों पर 500% टैरिफ लगाया जाएगा। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 से जंग जारी है। अमेरिका यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाला सबसे बड़ा इकलौता देश है। अमेरिका ने जंग शुरू होने के बाद से यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, रॉकेट लॉन्चर, रडार, टैंक और कई एंटी रडार हथियार दिए हैं। यूक्रेन ने अमेरिका और यूरोप से और सैन्य सहायता मांगी थी। जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन को अपने हवाई रक्षा प्रणाली और ड्रोन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। यूक्रेन ने यूरोपीय सहयोगियों और एक अमेरिकी कंपनी के साथ ड्रोन उत्पादन के लिए समझौते किए हैं। जिससे यूक्रेन को इस साल लाखों ड्रोन मिलेंगे। जेलेंस्की ने सोमवार को टेलीग्राम पर लिखा, जीवन की रक्षा के लिए वायु रक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा- इसमें इंटरसेप्टर ड्रोन का विकास और प्रोडक्शन भी शामिल है, जो रूस के लंबी दूरी के शाहेद ड्रोन को रोक सकते हैं।ड्रोन के इस्तेमाल से यूक्रेन को सैनिकों की कमी की भरपाई करने में भी मदद मिली है।

रूस ने सोमवार को यूक्रेन पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। रूसी हमलों में 11 नागरिक मारे गए और 80 से ज्यादा घायल हुए, जिनमें सात बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने पिछले हफ्ते 1 हजार से ज्यादा ड्रोन, 39 मिसाइल और करीब 1 हजार ग्लाइड बम दागे। रूस ने यूक्रेन के सैन्य भर्ती केंद्रों पर भी हमले किए, जिससे खार्किव और जपोरिझिया में 17 लोग घायल हुए। रूस ने दावा किया की उसने 91 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

# आर्मेनिया की नेशनल असेंबली में सांसदों के बीच मारपीट

## विपक्षी सांसद की गिरफ्तारी पर चर्चा के बीच बोतलें और मुक्के चले

एजेंसी

येरेवन, आर्मेनिया की नेशनल असेंबली (संसद) में मंगलवार को सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों में जमकर मारपीट और गाली गलौच हुई। आर्मेनिया में पहले से ही तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल इस घटना के बाद और गर्मा गया। इस मामले की शुरूआत तब हुई जब विपक्षी सांसद आर्तुर सर्गस्यान की संसदीय छूट (इम्युनिटी) खत्म करने और गिरफ्तारी को लेकर एक प्रस्ताव पर बहस हो रही थी। सत्ताधारी दल ने

सर्गस्यान पर आपराधिक आरोपों का हवाला देकर उनकी संसदीय छूट खत्म कर गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि, इन आरोपों की डिटेल नहीं दी गई। विपक्ष ने इस प्रस्ताव को बदले की भावना से प्रेरित और विपक्ष की आवाज कुचलने की कोशिश करार दिया। सत्र शुरू होने के बाद जल्द ही गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और फिर हाथापाई शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सांसद एक-दूसरे पर मुक्के चलाते और बोतलें फेंकते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद सिक्योरिटी गार्ड्स ने दखल देकर मामले को कंट्रोल किया। अपनी स्पीच में सर्गस्यान ने कहा कि आर्मेनिया तानाशाही का गढ़ बन गया है, जहां सब कुछ पहले से तय, लिखित और मंजूर होता है। प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान की सरकार विपक्षी नेताओं पर तख्तापलट की कोशिश का आरोप लगाकर कार्रवाई कर रही है।

इससे पहले सोमवार को पशिनयान ने कहा था कि वह आर्मेनियाई अपोस्टोलिक चर्च को ईसाई-विरोधी, व्यभिचारी, राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी लीडरशिप से आजाद करेंगे। इसके बाद संसद में विपक्ष के दो नेता, पूर्व रक्षा मंत्री सेयान ओहानयान और आर्त्सविक मिनासयान की संसदीय छूट खत्म करने के लिए वोटिंग हुई। इसके बाद दोनों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया। संसद के डिप्टी चेयरमेन रूबेन रूबिनयान ने तनाव बढ़ता देख संसद सत्र स्थगित कर दिया।

# सीएम रेखा गुप्ता के सरकारी आवास का नहीं होगा रेनोवेशन, 60 लाख का टेंडर रद्द

एजेंसी

दिल्ली सरकार ने कुछ प्रशासनिक कारणों से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आधिकारिक आवास के लिए 60 लाख रुपये के नवीनीकरण के टेंडर को रद्द कर दिया। सीएम गुप्ता को लोक निर्माण विभाग द्वारा राज निवास मार्ग पर दो बंगले आवंटित किए गए थे - एक उनके आवास के लिए और दूसरा कैंप कार्यालय के लिए। उन्होंने पिछले हफ़्ते अपने कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया था। प्रस्तावित पुनर्निर्माण में व्यापक विद्युत फिटिंग शामिल थी - इनमें 14 एयर कंडीशनर, कई टेलीविजन और अन्य विद्युत फिटिंग शामिल थीं, जिनका उद्देश्य सीएम के आधिकारिक आवास को उन्नत करना था।फरवरी के चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद पहली बार विधायक बनीं और मुख्यमंत्री पद के लिए आश्चर्यजनक रूप से चुनी गईं गुप्ता को आधिकारिक आवास के रूप में बंगला आवंटित होने में लगभग 100 दिन लग गए। आखिरकार जून की शुरूआत में आवंटन हुआ; दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में राज निवास मार्ग पर स्थित आस-पास की संपत्तियाँ गुप्ता

**प्रस्तावित पुनर्निर्माण में व्यापक विद्युत फिटिंग शामिल थी – इनमें 14 एयर कंडीशनर, कई टेलीविजन और अन्य विद्युत फिटिंग शामिल थीं, जिनका उद्देश्य सीएम के आधिकारिक आवास को उन्नत करना था।**

को उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल की अवधि के लिए दे दी गईं।गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित बंगले में रहने से इनकार कर दिया था, क्योंकि यह आम आदमी पार्टी के मुखिया पर भाजपा के हमले का केंद्र बिंदु बन गया था। भाजपा ने इस घर को 'शीशमहल' करार दिया था और केजरीवाल पर करदाताओं के करोड़ों रुपये भव्य नवीनीकरण पर खर्च करने का आरोप लगाया था। चार सरकारी भूखंडों के कथित रूप से अनधिकृत विलय के बाद 40,000 वर्ग गज में फैला पुनर्निर्मित बंगला 2015 से अक्टूबर 2024 तक श्री केजरीवाल का आधिकारिक निवास रहा, जब उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद इसे खाली कर दिया।

# अयोध्या में घर, वाराणसी में घाट डूबे, प्रयागराज में 4 मौतें

## उत्तर प्रदेश के उन्नाव में तेज बारिश जारी है

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में तेज बारिश जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहा। यह पिछले दिनों से 3-4 डिग्री कम था। बारिश के दौरान हवाएं 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं।

एजेंसी

नई दिल्ली , यूपी में बुधवार को भारी बारिश जारी है। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट

### उत्तराखंड में बादल फटा, यूपी में नर्मदा में बाढ़, नागपुर में नाव से रेस्क्यू

खोले गए हैं।महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए नागपुर नगर निगम ने राफ्ट (नाव) की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च जारी है। अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

### महाराष्ट्र के यवतमाल में वर्धा नदी उफान पर

महाराष्ट्र के यवतमाल में 3 दिन से बारिश हो रही है। मारेगांव तालुका में कोसारा वर्धा नदी पर बना पुल पानी में डूब गया है। पुल के ऊपर से 2-3 फीट पानी बहने के कारण रालेगांव-वडकी-खैरी-कोसारा-वरोरा-चंद्रपुर मार्ग बंद कर दिया गया है। कई बीघा फसल भी बर्बाद हुई है। नरसिंहपुर-जबलपुर के बीच सड़क संपर्क टूटा मध्य प्रदेश के जबलपुर में तेज बारिश जारी है। इसके कारण बरगी डैम का जलस्तर बढ़ा हुआ है। डैम के 17 से ज्यादा गेट खोले गए हैं। कई जगहों पर रपटों और पुल-पुलिया के ऊपर से नदियों का पानी बह रहा है। उत्तर प्रदेश के बरेली में तेज बारिश से तापमान में गिरावटउत्तर प्रदेश के बरेली में तेज बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सतना में तेज बारिश से गिरा पेड़, कई वाहनों को नुकसानमध्य प्रदेश के सतना में करीब तेज बारिश से एक पेड़ गिर गया। इसकी चपेट में कई दोपहिया वाहन आ गए। एक मकान का चबूतरा भी क्षतिग्रस्त हो गया। नगर निगम की टीम ने पेड़ को हटाकर रास्ता साफ कराया।

# नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बंगाल को बिहार बताया! ममता ने कड़ा विरोध जताया

## ममता बनर्जी ने बिहार को पश्चिम बंगाल बताने वाले मानचित्र में गलती के लिए नीति आयोग की आलोचना की.

एजेंसी

कोलकाताः नीति आयोग की हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में राज्य की पहचान को गलत तरीके से पेश करने की एक बड़ी गलती के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बवाल मच गया है. सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इसके विरोध में आवाज उठाई है.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद हस्तक्षेप करते हुए नीति आयोग की उपाध्यक्ष सुमन के बेरी को एक कड़ा पत्र भेजकर अपनी नाराजगी व्यक्त की. अपने पत्र में, मुख्यमंत्री ने बताया कि 'पश्चिम बंगाल राज्य के लिए सारांश रिपोर्ट' शीर्षक

वाली आधिकारिक रिपोर्ट में राज्य के मानचित्र पर गलती से पश्चिम बंगाल की जगह बिहार का क्षेत्र प्रदर्शित कर दिया गया है. उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ एक तकनीकी त्रुटि नहीं है, बल्कि राज्य की पहचान और गरिमा का सीधा अपमान है. ममता बनर्जी ने इस चूक को एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था की 'घोर गैरजिम्मेदारी' का प्रतिबिंब बताते हुए नीति आयोग के प्रकाशनों की समग्र गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि ऐसी खामियाँ चिंताजनक हैं

# ये लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोग नहीं हैं...

## राहुल गांधी पर सम्राट चौधरी का पलटवार

**राहुल गांधी ने महागठबंधन की बिहार बंद रैली में कहा था कि जिस तरह महाराष्ट्र चुनाव में वोटों की चोरी हुई, उसी तरह की कोशिश बिहार में भी हो रही है। इसी को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए।**

एजेंसी

राहुल गांधी के बिहार दौरे और महागठबंधन द्वारा बिहार बंद पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ये लोग कामचोर लोग हैं। ये लोग कभी मेहनत नहीं कर सकते। बिहार के लोगों ने सहमति दे दी कि हम समीक्षा कराएंगे। ये लोग राजकुमार लोग हैं। गांधी परिवार का राजकुमार और लालू यादव का राजकुमार...ये लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोग नहीं हैं। राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने आगे कहा कि वो झारखंड, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश या कर्नाटक के लिए

ऐसा क्यों नहीं कह रहे ?दरअसल, राहुल गांधी ने महागठबंधन की बिहार बंद रैली में कहा था कि जिस तरह महाराष्ट्र चुनाव में वोटों की चोरी हुई, उसी तरह की कोशिश बिहार में भी हो रही है। इसी को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए। इन लोगों ने जनता के लिए कुछ नहीं किया, इसलिए जनता ने इन्हें घर भेज दिया। ये लोग घर बैठे चुनाव आयोग की नियुक्ति करते थे। हमारे देश की दुर्दशा का ज़िम्मेदार गांधी परिवार है। आज अगर बिहार पिछड़ा है, लोग डर के मारे पलायन कर गए हैं, तो ये सब लालू यादव की ही देन है। गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा और राजग को लाभ पहुंचाने के लिए धांधली की गई थी। वे बिहार में भी इसे दोहराना चाहते हैं जो हम होने नहीं देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेराफेरी करने के महाराष्ट्र मॉडल का विस्तार है और इससे न केवल लोगों के वोट देने के अधिकार को बल्कि उनके पूरे भविष्य को हथिया लिया जाएगा।